राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 01, अंक 17 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | जगदलपुर, मंगलवार 24 मार्च 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी को अर्थव्यवस्था की समझ पर ही है प्रश्नचिह्न : गजेन्द्र

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। शेखावत ने कहा कि राहुल गांधी को अर्थव्यवस्था की कितनी समझ है, इस पर ही प्रश्नचिह्न लगा हुआ है। रविवार को केंद्रीय मंत्री अपने आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। जब केंद्रीय मंत्री से राहुल गांधी के रुपया के डॉलर के मुकाबले कमजोर होने और महंगाई बढ़ने से जुड़े ट्वीट के विषय में पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि जिस तरह की परिस्थितियां हैं। ग्लोबल सिनेरियो है। अभी जिस तरह का जिओ टर्बुलेंस विश्व में है। जिस तरह की उथल-पुथल वर्तमान परिस्थिति में मिडिल ईस्ट युद्ध से बनी है। सोना की कीमतें लगातार कम हो रही हैं। उन्होंने कहा कि थोड़े से दिन पहले राहुल गांधी सोने को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे थे। अभी रुपया को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। राहुल गांधी को पहले अपने गिरेबां में झांक करके देखना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में थोक महंगाई की दर दुनिया में सबसे कम है।

मुंबई में ड्रग्स नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई, महिला तस्कर गिरफ्तार

मुंबई । देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने एक महिला ड्रग्स माफिया को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान 23 वर्षीय नाजिया मंसूरअली सैय्यद के रूप में हुई है, जो बांद्रा समेत कई इलाकों में बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की सप्लाई कर रही थी। पुलिस के अनुसार, नाजिया न केवल खुद ड्रग्स बेचती थी, बल्कि अपने नेटवर्क में शामिल अन्य तस्करों के जरिए भी शहर के विभिन्न हिस्सों में हेरोइन की सप्लाई करवाती थी। वह खासतौर पर बांद्रा पूर्व और आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय थी, जहां से उसका पूरा नेटवर्क संचालित हो रहा था। इस पूरे मामले का खुलासा उस समय हुआ जब नाजिया के ड्रग्स तस्करी से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो में उसके अवैध कारोबार की झलक सामने आने के बाद पुलिस महकमा अलर्ट हो गया और तुरंत कार्रवाई शुरू की गई।

मुंबई में शराब को लेकर हुए विवाद में पत्नी की पीटकर हत्या

मुंबई । मुंबई पुलिस ने शनिवार को बताया कि मुंबई के वडाला इलाके में शराब पीने को लेकर हुए विवाद के बाद एक 29 वर्षीय महिला की उसके पति ने कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान कविता महेश वाड के रूप में हुई है। मुंबई पुलिस के अनुसार, आरोपी पति महेश नारायण वाड घटना के बाद मौके से फरार हो गया था, लेकिन बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर अपनी पत्नी पर लात-घूंसे बरसाकर बेरहमी से हमला किया।

युद्ध के बीच लोकसभा में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कोरोना के समय की तरह ही हमें तैयार रहने की जरूरत

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि कोरोना के समय हम एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं। हमें फिर से उसी तरह से तैयार रहने की आवश्यकता है। धीरज के साथ, संयम के साथ, शांत मन से हमें हर चुनौती का मुकाबला करना है। यही हमारी पहचान है, यही हमारी ताकत है। हमें बहुत सावधान और सतर्क भी रहना है। पीएम मोदी ने कहा कि हालात का फायदा उठाने वाले झूठ फैलाने का प्रयास करेंगे। ऐसे लोगों की कोशिशों को सफल नहीं होने देना है। उन्होंने आगे कहा कि मैं देश की सभी राज्य सरकारों से भी इस सदन के माध्यम से आग्रह करूंगा कि ऐसे समय में कालाबाजारी करने वाले जमाखोरी करने वाले सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए कड़ी निगरानी की जरूरत है। जहां से भी ऐसी शिकायत आती है, वहां त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि संकट की स्थिति में भारतीयों की सुरक्षा हमारी बहुत बड़ी प्राथमिकता रही है। पश्चिम एशिया युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 3.72 लाख से अधिक भारतीय सुरक्षित भारत लौट चुके हैं। ईरान से एक हजार भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। इनमें 700 से अधिक मेडिकल की पढ़ाई करने वाले युवा हैं। खाड़ी के देशों में हजारों भारतीय विद्यार्थी पढ़ते हैं। सीबीएसई ने ऐसे सभी भारतीय स्कूलों में होने वाली कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं को रद्द कर दिया है। छात्रों की पढ़ाई लगातार चलती रहे इसके लिए सीबीएसई उचित कदम उठा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि प्रभावित देशों में हमारे जितने भी मिशन हैं, वह लगातार भारतीयों की मदद में जुटे हैं। वहां काम करने वाले भारतीय हों या टूरिस्ट हों, सभी को हरसंभव मदद दी जा रही है। हमारे मिशन नियमित रूप से एडवाइजरी जारी कर रहे हैं। यहां भारत और अन्य प्रभावित देशों में 24 घंटे कंट्रोल रूम और आपातकालीन हेल्पलाइन जारी की गई हैं। सभी भारतीयों को त्वरित जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि देश की हर सरकार और देश का हर नागरिक जब मिलकर चलेंगे तो हम हर चुनौती को चुनौती दे सकते हैं। इसी आग्रह के साथ मैं अपना वक्तव्य समाप्त करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद अब तक 3.75 लाख से अधिक भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश वापस लाया जा चुका है। इनमें से करीब 1,000 भारतीयों को ईरान से निकाला गया जिनमें 700 से ज्यादा मेडिकल छात्र शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस दौरान कुछ भारतीयों की मौत और कई के घायल होने की दुखद खबरें भी सामने आई हैं। पीएम मोदी ने बताया कि पिछले कुछ सालों में इथेनॉल उत्पादन बढ़ाने से भी मदद मिली है और अब पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जा रहा है। इसके अलावा रेलवे के बिजलीकरण से भी ऊर्जा पर दबाव कम हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि युद्ध का असर खेती पर भी पड़ सकता है, लेकिन देश में फिलहाल पर्याप्त खाद्यान्न मौजूद है। किसानों के लिए खाद की पर्याप्त व्यवस्था की गई है और 6 नए यूरिया प्लांट शुरू किए गए हैं,।

खाड़ी देशों में एक करोड़ भारतीय....

पीएम मोदी ने लोकसभा में बोलते हुए कहा कि जिस क्षेत्र में युद्ध चल रहा है, वह वैश्विक व्यापार के लिए बेहद अहम है। इसके साथ ही करीब 1 करोड़ भारतीय खाड़ी देशों में रहते और काम करते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने जानकारी दी कि युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 3 लाख 75 हजार से ज्यादा भारतीयों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है। सिर्फ ईरान से ही करीब 1 हजार भारतीयों को निकाला गया, जिनमें 700 से ज्यादा मेडिकल छात्र शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ लोगों की मौत और कई के घायल होने की दुखद खबरें भी सामने आई हैं।

ईंधन को लेकर सरकार का प्लान

पीएम मोदी ने कहा कि भारत में कच्चा तेल, गैस और फर्टिलाइजर का बड़ा हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते आता है, जो इस समय संकट में है। ऐसे में सरकार ने पेट्रोल, डीजल और गैस की सप्लाई को सुचारू बनाए रखने के लिए खास रणनीति तैयार की है। उन्होंने बताया कि देश अपनी जरूरत का लगभग 60न्न एलपीजी आयात करता है, इसलिए घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता दी जा रही है और उत्पादन भी बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब पहले से ज्यादा देशों से ऊर्जा आयात कर रहा है। पहले जहां 27 देशों से आयात होता था, अब यह बढ़कर 41 देशों तक पहुंच गया है। साथ ही देश के पास 53 लाख मैट्रिक टन से ज्यादा तेल का भंडार मौजूद है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने थपथपाई सरकार की पीठ

ईंधन संकट पर पीएम मोदी को मिला विपक्ष का साथ..

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और संभावित ईंधन संकट के बीच सरकार की सक्रियता पर अब विपक्ष से भी समर्थन के सुर सुनाई दे रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन आपूर्ति को लेकर हुई अहम बैठक की सराहना करते हुए इसे बहुत जरूरी कदम बताया। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक हालात को देखते हुए ऐसी तैयारियां जरूरी हैं, ताकि देश में ईंधन की कमी और कीमतों पर असर को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी इस संकट को लेकर एक्टिव हैं। वह कभी ईरान के राष्ट्रपति से संपर्क कर रहे हैं, तो वहीं इजरायल और अमेरिका से भी इस मसले पर बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मीडिल ईस्ट संकट का असर भारत पर भी दिखाई दे रहा है। देश में होटल तो खुले हैं लेकिन एलपीजी की कमी के कारण आइटम्स कम हो गए हैं। उन्होंने कहा कि तीसरा हफ्ता हो गया है युद्ध को लेकिन शांति के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। ऐसे में पीएम मोदी की ओर से सभी मंत्रियों के साथ इस संकट पर चर्चा करना सराहनीय है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया और ईरान-यूएस युद्ध के चलते वैश्विक तेल बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई है और भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों के लिए चुनौतियां भी बढ़ती जा रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मध्य पूर्व में जारी संघर्ष का सीधा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर पड़ सकता है, जिससे न केवल ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव होगा।

मथुरा में फरसा वाले बाबा की मौत के बाद हुए बवाल मामले में 300 पर केस दर्ज

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के कोसीकलां थाना क्षेत्र में शनिवार को हुए विवाद में 22 नामजद और 300 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने प्रशासनिक अधिकारियों पर पथराव, लाठी-डंडों से हमला और अवैध हथियारों से फायरिंग के मामले में मुकदमा दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने अब तक 14 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही अन्य लोगों को गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

इन 7 दिग्गजों पर लगाया दांव

कांग्रेस ने जारी की उम्मीदवारों की लिस्ट

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी ने उम्मीदवारों की पांचवी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में 7 विधानसभा सीटों के लिए विधायक उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है। इस लिस्ट में गोस्साईगांव से जोसेफ हासदा, दोतमा से बिरकांग बोरो, बिजनी विधानसभा क्षेत्र से रजत कांति साहा का नाम शामिल है। इसके अलावा भेरगांव से अंचुला ग्वारा दैईमैरी, मजबात से नारायण अधिकारी, हैफ्लांग से निर्मल लांगथासा और खैतीगोराह से अमर चंद जैन को उम्मीदवार बनाया गया है। 126 सीटों वाली असम विधानसभा के लिए कांग्रेस पार्टी ने अभी तक उम्मीदवारों की पांच लिस्ट जारी की हैं। इनमें पहली लिस्ट में 42 उम्मीदवार दूसरी में 23, तीसरी में 22 और चौथी में 7 के नाम सामने आए थे।

नियमों को लेकर यूजीसी और केंद्र को नोटिस

यूजीसी और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ दायर की गई याचिका पर केंद्र सरकार, यूजीसी और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ने मूल याचिका के साथ टैग कर दिया है। याचिका भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने यूजीसी पर आरोप लगाया है कि इसके माध्यम से समाज को बांटने की कोशिश की जा रही है। याचिका में यह भी कहा गया है कि जातिगत भेदभाव केवल आरक्षित वर्ग तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह किसी भी वर्ग के साथ हो सकता है, और इसलिए इसे कुछ समुदायों तक ही सीमित नहीं किया जाना चाहिए। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने 29 जनवरी को यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने) विनियमों पर रोक लगाई थी, जिन्हें 13 जनवरी को अधिसूचित किया गया था। अदालत ने इसे प्रारंभिक रूप से अस्पष्ट बताते हुए कहा था कि इसके बहुत व्यापक परिणाम हो सकते हैं और यह समाज को बांटने का कारण बन सकता है। इस फैसले के बाद, इन नियमों के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए थे। हाल ही में, जयपुर में राजपूत करणी सेना ने यूजीसी के इन नए विनियमों के खिलाफ प्रदर्शन किया था ।

विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं आधुनिक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाना हमारी प्राथमिकता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में जर्जर विद्यालय भवनों के पुनर्निर्माण के लिए केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 300 करोड़ रुपये की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मजबूत आधारभूत संरचना का निर्माण हमारी प्राथमिकता है। हमारा उद्देश्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी को सुरक्षित, आधुनिक और प्रेरणादायक शैक्षणिक वातावरण मिले, ताकि वे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ सकें।

क्या बिगड़ जाएगा दीदी का 'गेम'?

कबीर और असदुद्दीन ओवैसी साथ लड़ेंगे पश्चिम बंगाल विसा चुनाव...

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में विधानसभा चुनाव 2026 के लिए एक नया और महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी हुमायूं कबीर की नवगठित 'आम जनता उन्नयन पार्टी'के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ेगी। रविवार को हैदराबाद में हुई इस घोषणा के बाद अब 25 मार्च को कोलकाता में एक कंबाइंड प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाएगी, जिसमें इस चुनावी समझौते की रूपरेखा पेश की जाएगी। यह गठबंधन राज्य की राजनीति में तीसरे एंगल के रूप में उभरने की कोशिश कर रहा है, जो मुख्य रूप से तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच चल रहे मुकाबले को त्रिकोणीय बना सकता है। हुमायूं कबीर की पार्टी ने राज्य की कुल 294 सीटों में से 182 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का लक्ष्य रखा है,। इस गठबंधन के तहत एआईएमआईएम के लगभग 8 सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना है। कबीर ने अब तक 18 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है, जिसमें मुर्शिदाबाद और मालदा जैसे महत्वपूर्ण जिलों की सीटें शामिल हैं। खुद हुमायूं कबीर मुर्शिदाबाद जिले की तीन सीटों- भगवानगोला, नौदा और राजीनगर- से चुनावी मैदान में उतरेंगे। कबीर का दावा है कि त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति में उनका दल निर्णायक भूमिका निभाएगा।

प्रयागराज में बड़ा हादसा

अमोनिया टैंक फटने से कोल्ड स्टोरेज धराशायी, चार की मौत

प्रयागराज/ एजेंसी

फाफामऊ क्षेत्र के चंदापुर में प्रयागराज-लखनऊ हाईवे पर स्थित सपा नेता और पूर्व मंत्री अंसार अहमद का कोल्ड स्टोरेज तेज धमाके के साथ धराशायी हो गया। अमोनिया गैस टैंक फटने के चलते यह हादसा हुआ है। मलबे में डेढ़ दर्जन से अधिक मजदूर दब गए। आनन फानन में सभी को बाहर निकाला गया। इसमें चार मजदूरों के मौत की बात कही जा रही है। छह की हालत नाजुक बताई जा रही है। जिले भर की एंबुलेंस को राहत बचाव कार्य में लगाया गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरफ की टीम रेस्क्यू आपरेशन में जुटी है।हादसे के चलते मलाक हरहर में लखनऊ हाईवे पर वाहनों का आवागमन ठप हो गया है। मौके पर जिलाधिकारी मनीष कुमा वर्मा, पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। मलबे में डेढ़ दर्जन से अधिक लोग दब गए। घायलों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से एसआरएन अस्पताल पहुंचाया गया है। फाफामऊ समेत आसपास के कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई है। बताया जा रहा है कि मौके से निकाले गए चार मजदूरों की हालत नाजुक बनी हुई है। मौके पर एनडीआरएफऔर एसडीआरएफकी टीम बचाव कार्य में जुट गई है। दर्जन भर से अधिक जेसीबी मलबो को हटाकर दबे हुए लोगों को खोज रही है। शाम सवा चार बजे तक तीन शव निकाले जा चुके हैं। सभी मजदूर बिहार के सहरसा जिले के बताए जा रहे हैं। एक मृतक की पहचान सहरसा के ज्योतिष के रूप में हुई है। पीएम नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुए हादसे पर दुख जताया है। पीएम ने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हों। पीएमएनआरएफ से हर मृतक के परिवार वालों को दो लाख रुपये की मदद दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। जनपद प्रयागराज के कोल्ड स्टोरेज में हुई दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज के कोल्ड स्टोरेज में हुई भीषण दुर्घटना को हृदय विदारक बताते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, घायलों के तत्काल बेहतर इलाज और जिला प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति मिले। इस दर्दनाक हादसे में 4 मजदूरों की मौत हो गई है। हालांकि, जिला प्रशासन ने अभी आधिकारिक तौर पर मौतों की पुष्टि नहीं की है, लेकिन मृतकों के नाम सामने आने लगे हैं। मृतकों में पिलत चौधरी, मशींदर, ज्योतिष और जगदीश के नाम शामिल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, इनमें से तीन मजदूर बिहार के रहने वाले थे, जबकि एक श्रमिक स्थानीय निवासी था। प्रशासन का कहना है कि उनकी पहली प्राथमिकता मलबे में दबे शेष लोगों को बाहर निकालना है।

युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन : अब तक 17 सुरक्षित बाहर

हादसे की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुँच गईं। राहत और बचाव कार्य के लिए स्ष्ठत्रस्न और ह्रष्ठत्रस्न की टीमों को भी तैनात किया गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन को तेज करने के लिए 7 जेसीबी मशीनों की मदद ली जा रही है, जो मलबे को हटाने का काम कर रही हैं। अब तक राहत कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद 17 मजदूरों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। कोल्ड स्टोरेज की बिल्डिंग गिरने के पीछे लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी की बात भी सामने आ रही है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि धमाका इतना जोरदार था कि आसपास की इमारतों में भी कंपन महसूस किया गया।

संक्षिप्त समाचार

ठेका प्रथा खत्म नहीं तो उग्र आंदोलन, सफाई कर्मचारियों ने नगर निगम को दी चेतावनी

राजनांदगांव। नगर पालिक निगम राजनांदगांव के अंतर्गत कार्यरत सफाई कर्मचारियों ने ठेका प्रथा के विरोध में कड़ा रुख अपनाते हुए प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है। सफाई कर्मचारी यूनियन संघ के अध्यक्ष संजय गोलू नायक ने जानकारी देते हुए बताया कि लंबे समय से सफाई कर्मचारियों का कार्य ठेकेदारों के माध्यम से कराया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों का शोषण लगातार बढ़ रहा है। यूनियन के अनुसार, ठेका व्यवस्था के कारण कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है, कार्य के बाद भी उन्हें असुरक्षा और नौकरी से निकालने की धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, दुर्व्यवहार और असमान व्यवहार जैसी गंभीर समस्याएं भी सामने आ रही हैं, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। कई बार शिकायतें दर्ज कराने के बावजूद नगर निगम प्रशासन द्वारा इस ओर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। यूनियन ने आरोप लगाया कि, कुछ अधिकारियों और ठेकेदारों के बीच मिलीभगत के कारण कर्मचारियों की समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। सफाई कर्मचारी यूनियन ने स्पष्ट मांग की है कि ठेका प्रथा को तत्काल बंद किया जाए और सफाई कर्मचारियों को सीधे नगर निगम के अधीन नियमित किया जाए। यूनियन ने आंदोलन की चेतावनी देते हुए कहा है कि, यदि जल्द ही ठेका प्रथा समाप्त नहीं की गई, तो सभी सफाई कर्मचारी और यूनियन एकजुट होकर उग्र आंदोलन करेंगे। इतना ही नहीं आवश्यक होने पर काम बंद कर सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी। यूनियन ने प्रशासन से शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है, ताकि कर्मचारियों के हितों की रक्षा हो सके और शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित न हो।

बलिदान दिवस पर क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि, युवाओं से आदर्श अपनाने का आह्वान

राजनांदगांव। हिंदू जागरण मंच द्वारा देश के अमर क्रांतिकारियों के बलिदान दिवस पर स्थानीय साइंस कॉलेज परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने शहीदों को नमन किया। कार्यक्रम में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया गया। वक्ताओं ने उनके साहस, देशभक्ति और त्याग को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि उन्होंने कम उम्र में ही देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। वक्ताओं ने कहा कि इन महान क्रांतिकारियों का जीवन आज भी युवाओं के लिए मार्गदर्शक है। कार्यक्रम के दौरान भारत माता की जय और इंकलाब जिंदाबाद के नारों से वातावरण गूंज उठा। संगठन के पदाधिकारियों ने युवाओं से आह्वान किया कि वे शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में उतारें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का माध्यम हैं। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सभी ने शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन 27 मार्च को, एसडीएम ने जारी किए निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ़(समय दर्शन)छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रशासनिक स्तर पर कवायद तेज कर दी गई है। इसी कड़ी में सारंगढ़ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी द्वारा आगामी 27 मार्च 2026 को एक विशाल जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। ?तारीख: 27 मार्च 2026। समय: सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक स्थान: कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सारंगढ़ का परिसर ?प्रशासनिक मुस्तैदी ?अनुविभागीय अधिकारी द्वारा जारी आधिकारिक पत्र (क्रमांक 322/अ.वि.अ./वाचक-4/2026) के माध्यम से क्षेत्र के सभी विभाग प्रमुखों को कड़े निर्देश दिए गए हैं। आदेश के अनुसार, सभी विभागों के अधिकारियों और उनके अधीनस्थ कर्मचारियों को निर्धारित तिथि और स्थान पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने को कहा गया है।

9 वर्षों से न्याय की आस: बसना थाना में दिए आवेदन पर कार्रवाई नहीं, पीड़ित दर-दर भटकने को मजबूर

बसना(समय दर्शन)। ग्राम भालूपतेरा (रसोड़ा) निवासी हेमलाल नायक पिछले लगभग नौ वर्षों से न्याय के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें न्याय नहीं मिल सका है। वर्ष 2017 में थाना बसना में दिए गए आवेदन पर आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से वे और उनका परिवार मानसिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरे संकट में जीने को मजबूर हैं।

लेन-देन से शुरू हुआ विवाद, ब्लैंक चेक पर हस्ताक्षर कराने का आरोप- पीड़ित हेमलाल नायक के अनुसार, वर्ष 2017 में गांव के ही निवासी जगदीश साहू (आयकर सलाहकार) के साथ उनका आपसी लेन-देन था। इसी दौरान कथित रूप से उन्हें डरा-धमकाकर एक ब्लैंक चेक पर हस्ताक्षर करवा लिए गए।

इस गंभीर आरोप को लेकर उन्होंने तत्काल थाना बसना में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन उनका कहना है कि पुलिस द्वारा कोई प्रभावी जांच या कार्रवाई नहीं की गई।

चेक में 4.50 लाख भरकर कोर्ट में मामला दर्ज- हेमलाल का आरोप है कि

बाद में जगदीश साहू ने महासमुंद निवासी अपने परिचित शंकर होता के साथ मिलकर उस ब्लैंक चेक में 4 लाख 50 हजार रुपये की राशि भरकर ट्रायल कोर्ट महासमुंद में केस दायर कर दिया। इससे परेशान होकर हेमलाल नायक ने सत्र न्यायालय महासमुंद में रिवीजन याचिका प्रस्तुत की।

केस डायरी पेश नहीं होने का आरोप, फरार दिखाकर वारंट जारी- पीड़ित का कहना है कि सत्र न्यायालय द्वारा बसना थाना से केस डायरी मंगाई गई, लेकिन थाना द्वारा केस डायरी प्रस्तुत नहीं की गई।

इसके चलते ट्रायल कोर्ट में उन्हें फरार दर्शाते हुए वारंट जारी कर दिया गया, जबकि वे अपने घर ग्राम रसोड़ा में ही रह रहे थे।

आधी रात गिरफ्तारी, कोर्ट ने किया बरी- हेमलाल नायक ने बताया कि 19 नवंबर 2019 की रात लगभग 3 बजे बसना थाना पुलिस उनके घर पहुंची और उन्हें अचानक गिरफ्तार कर लिया।

उन्हें अपराधी की तरह कोर्ट में पेश किया गया, लेकिन ट्रायल कोर्ट ने उसी दिन उन्हें बरी कर दिया, जिससे उनके आरोपों को बल मिलता है।

बरी होने के बाद भी थाने में बैठाए रखने का आरोप- पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि बरी होने के बावजूद, कथित रूप से जगदीश साहू के प्रभाव में आकर पुलिस ने उन्हें दो रात और तीन दिन तक थाना बसना में बैठाए रखा।

इस दौरान मीडिया में खबरें आने से उनकी सामाजिक छवि को भी गंभीर नुकसान पहुंचा।

पैथोलॉजी लैब बंद, आर्थिक स्थिति हुई कमजोर- हेमलाल नायक का कहना है कि जब उन्होंने न्याय के लिए शासन-प्रशासन को लगातार आवेदन देना शुरू किया, तो इसके बाद षड्यंत्रपूर्वक उनका पैथोलॉजी लैब बंद करवा दिया गया, जो उनके परिवार की आजीविका का मुख्य साधन था।

इस घटना के बाद से उनकी आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर हो गई और परिवार लगातार मानसिक प्रताड़ना झेल रहा है।

पुलिस-आरोपी सांठगांठ की आशंका- पीड़ित ने आरोप लगाया कि उनके द्वारा दिए गए आवेदन पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे पुलिस और आरोपित के बीच सांठगांठ की आशंका भी जताई जा रही है।

उन्होंने कहा कि मामला संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आने के बावजूद भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई, जो गंभीर सवाल खड़े करता है।

निष्पक्ष जांच और एफआईआर की मांग- हेमलाल नायक ने मीडिया के माध्यम से शासन-प्रशासन से अपील करते हुए कहा है कि उनके मामले की निष्पक्ष जांच कर तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि उन्हें न्याय मिल सके। अब देखना यह होगा कि लगभग 9 वर्षों से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे पीड़ित को आखिर कब तक न्याय मिल पाता है और प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है।

लाख कमी का खुलासा, बाद में जांच रिपोर्ट बदली, अब अधिकारियों की कार्यप्रणाली संदेह में

सरायपाली ग्रामीण (समय दर्शन)। सरायपाली ग्रामीण महासमुंद जिले के सरायपाली ब्लॉक अंतर्गत केना धान खरीदी केंद्र में लगभग 50 लाख रुपये के कथित शॉर्टेज (कमी) और गबन का मामला अब गंभीर सवालों के घेरे में आ गया है। प्रारंभिक जांच में भारी अनियमितता सामने आने के बाद खरीदी प्रभारी गोपाल नायक के खिलाफ सरायपाली थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामला दर्ज होने के बाद गोपाल नायक के फरार होने की बात भी सामने आई थी, लेकिन एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अब तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार, जांच अधिकारियों ने शुरुआती जांच में केना धान खरीदी केंद्र में लगभग 50 लाख रुपये के धान शॉर्टेज की पुष्टि करते हुए गबन की आशंका जताई थी। इसी आधार पर पुलिस में मामला दर्ज किया गया था। क्षेत्र में पहले भी सरायपाली और बसना में धान खरीदी केंद्रों में गड़बड़ी के मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें कई आरोपियों की गिरफ्तारी भी हुई थी। ऐसे में इस मामले में अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होना कई सवाल खड़े कर रहा है।मामले में अब नया मोड़ तब आया है, जब संबंधित अधिकारी और कर्मचारी यह कहने लगे हैं कि जांच और गिनती में त्रुटि हो गई थी और पूर्व में प्रस्तुत रिपोर्ट गलत थी। यदि यह दावा सही है, तो सवाल यह उठता है कि इतनी बड़ी राशि के शॉर्टेज की गलत रिपोर्ट आखिर कैसे तैयार हो गई और इसके लिए जिम्मेदार कौन है।

सरायपाली थाना प्रभारी लेतेश सिंह ने बताया कि प्रकरण में प्राथमिकी दर्ज की गई है, लेकिन पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने के कारण अभी तक गिरफ्तारी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।वहीं, केना धान खरीदी केंद्र के अध्यक्ष ने कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों से गिनती में गलती हुई थी तथा किसी भी प्रकार का धान का शॉर्टेज नहीं है। उनके अनुसार पूरा मामला गलतफहमी का परिणाम है। इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली और जांच प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहले जहां 50 लाख रुपये के गबन की बात सामने आई थी, वहीं अब उसे जांच की त्रुटि बताकर खारिज किया जा रहा है। ऐसे में यह मामला अब केवल शॉर्टेज तक सीमित न रहकर जांच अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिह्न लगा रहा है।अब देखना होगा कि इस मामले में उच्च स्तर पर जांच होती है या नहीं, और यदि जांच में लापरवाही या गलत रिपोर्टिंग की पुष्टि होती है, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफक्या कार्रवाई की जाती है।

कलेक्टर-एसपी ने ली जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण के विरूद्ध, सुरक्षा मानकों का पालन न करने वालों पर अभियान चलाकर करे कार्रवाई - कलेक्टर

सड़कों के डार्क एंड ब्लैक स्पॉट वाले चिन्हांकित स्थानों का किया जाएगा सुधारात्मक कार्य

जांजगीर// समय दर्शन // कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली। बैठक में जिले की यातायात व्यवस्था को बेहतर और सुरक्षित बनाने को लेकर संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने खनिजों के अवैध गतिविधियों में संलिप्त वाहनों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों के दोनों ओर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई करे। कलेक्टर-एसपी ने कहा कि सड़क सुरक्षा मानकों का पालन न करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरलोडिंग और तेज गति जैसे मामलों में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जिले में चिन्हांकित डार्क स्पॉट और ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों का सुधारात्मक कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। साथ ही इन स्थानों पर संकेतक, लाइटिंग, स्पीड ब्रेकर एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएंगे, ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर पूर्व में दुर्घटनाएं हो चुकी हैं या जहां दुर्घटनाओं की संभावनाएं अधिक हैं, वहां विशेष सतर्कता बरतते हुए मरम्मत और सुधार कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे करें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्री आर के तंबोली, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उदयन बेहार, जिला परिवहन अधिकारी श्री गौरव साहू सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सैमसंग ने गैलेक्सी S26 सीरीज के साथ 'क्विक शेयर' में जोड़ा एयरड्रॉप सपोर्ट; फाइल शेयरिंग हुई और भी आसान

गुरुग्राम: सैमसंग अपनी गैलेक्सी S26 सीरीज में एयरड्रॉप सपोर्ट पेश कर रहा है, जिससे यूजर्स के लिए 'क्विक शेयर' का उपयोग करके डिवाइसेज के बीच कंटेंट शेयर करना और भी आसान हो जाएगा। यह फीचर 23 मार्च से चरणबद्ध तरीके से रोलआउट होना शुरू होगा, जिसकी शुरुआत कोरिया से होगी। इसके बाद इसे यूरोप, हांगकांग, जापान, लैटिन अमेरिका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण-पूर्वी एशिया और ताइवान सहित अन्य क्षेत्रों में विस्तारित किया जाएगा। एयरड्रॉप सपोर्ट शुरुआत में गैलेक्सी S26 सीरीज पर उपलब्ध होगा, जबकि अन्य डिवाइसेज के लिए इसके विस्तार की घोषणा भविष्य में की जाएगी।

मंगल भवन बसना में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का गोष्ठी सम्पन्न

मुख्य वक्ता के रूप में प्रेम शंकर सिदार ,मध्य क्षेत्र सह प्रचारक गोष्ठी में शामिल हुए

बसना (समय दर्शन)। मंगल भवन बसना में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का सताब्दी वर्ष पर आयोजित विशेष गोष्ठी सम्पन्न हुआ।

इस गोष्ठी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रेम शंकर सिदार ने संघ शताब्दी वर्ष का परिचय एवं संघ के कार्यक्रमों का विवरण देते हुए कहा कि हमारा देश धन- धान्य,शास्त्र -शस्त्र से संपन्न होने के बावजूद गुलाम कैसे हुआ।

वे 2000 साल में सभी देशों की आंतरिक स्थिति को व्यक्त करने वाले कुछ आंकड़े रखते हुए कहा कि, सेमल हंटिंग नामक विद्वान ने 1750 ईस्वी में कहा था, कि वर्ल्ड जीडीपी में भारत का शेयर 24त्न था।

किंतु अंग्रेजों के आने के बाद यहां आर्थिक विपन्नता आई। संघ की विचारधारा को प्रारंभ करते समय डॉक्टर हेडगेवार के मन में भी यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठा, कि यह विपन्नता क्यों आई? इसका कारण क्या है ?इस पर उनका विचार था,कि इसका पहला कारण देश की जनता में राष्ट्रीय चेतना का अभाव है। इस प्रकार डॉक्टर हेडगेवार जी के चिंतन को बताते हुए उन्होंने इसके दो भाग बताए पहला या तो विदेशी आक्रांता शक्तिशाली थे, यह हो सकता है। दूसरा, अपने लोगों में राष्ट्र प्रथम की भावना की कमी ।आगे उन्होंने राष्ट्रीय चेतना का अर्थ बताया, कि राष्ट्र प्रथम या राष्ट्र के लिए सर्वस्व बलिदान कर सकें। इसके लिए उन्होंने चित्तौड़ के पन्ना धाय के त्याग का उदाहरण दिया। जिसमें पन्नाधाय में अपने पुत्र का बलिदान राजा उदय सिंह को बचाने के लिए दिया। साथ में गुरु गोविंद सिंह जी के वीर पुत्रों का जोरावर सिंह एवं फ्तेह सिंह जी का भी उल्लेख किया।

उन्होंने आगे राष्ट्रीय चेतना का अर्थ बताते हुए कहा समाज में प्रत्येक व्यक्ति में मैं रहूं या ना रहूं यह देश रहना चाहिए के भाव होने चाहिए ।आगे उन्होंने डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के इंडिया विजन 2050 का उदाहरण देते हुए कहा कि आगे राष्ट्र को खड़े करने के लिए नागरिकों को अपने सभी कर्तव्यों का निर्वहन

स्वाभाविक रूप से करना चाहिए ।उन्होंने रॉकेट की खोज भारत में हुई। इसका उदाहरण सहित व्याख्या करते हुए एपीजे अब्दुल कलाम की एक घटना का उल्लेख किया। डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम ने बताया कि 1769 से 1800 तक मैसूर की सेना ने अग्नि तीरों का प्रयोग किया। जिससे अंग्रेजों को बहुत नुकसान हुआ। इन्हीं अंग्रेजों ने उनमें से कुछ तीरों को परिष्कृत कर और उन्नत अस्त्र बनाएं। जो आगे चलकर रॉकेट का रूप लिया। आगे उन्होंने बताया कि अपने पूर्वजों के कार्यों पर गर्व न करना आधीनता का कारण है। इस कार्य पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ निरंतर कार्य कर रहा है।हम सभी का उद्देश्य इस ग्लानि से समाज को बाहर निकलना है। आगे उन्होंने 1932 में बालासाहेब देवरस जी का समरसता का एक उदाहरण दिया। जिसमें उन्होंने अपने घर की रसोई से समरसता के भाव का जागरण प्रारंभ किया। वर्धा के संघ शिक्षा वर्ग में गांधी जी, जमुनालाल बजाज जी के साथ आगमन पर उन्होंने देखा कि सभी लोग अपना परिचय हिंदू कहकर दे रहे थे। जबकि उसमें से लगभग 30त्न वंचित समाज के लोग थे। 1964 के कुंभ में साधु संतों एवं शंकराचार्य जी के द्वारा संघ के प्रयास से यह कहा गया कि सभी हिंदू सहोदर हैं एवं छुआछूत गलत है।

1989 से 1992 तक संघ ने समाज में राम मंदिर आंदोलन के रूप में एक धार्मिक जागरूकता का कार्य किया। जो 2024 तक फ्लीभूत हुआ और आगे भी राष्ट्र में राष्ट्रीयता के उदय के भाव जागरण का कार्य सतत चल रहा है। शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन विषय पर भी बोलते हुए उन्होंने कहा कि पहले बिंदु समाज में समरसता जिससे समाज में जाति बंधन एवं छुआछूत की भावना दूर हो और उसका अपने चरित्र में आत्मसात करना आवश्यक है। दूसरा बिंदु कुटुंब प्रबोधन जिससे परिवार में सभी मिलजुल कर पूजा करें, भोजन करें एवं साथ में बैठकर विचार विमर्श करें। जो आगे एक दूसरे को जोड़ने में बहुत सहायक होता है ।तीसरा बिंदु पर्यावरण संरक्षण का है इसमें पानी का संरक्षण प्लास्टिक का उपयोग नहीं करना एवं पेड़ों का संरक्षण एवं रोपण का आग्रह किया।चौथा बिंदु नागरिक शिष्टाचार जो कि कैसा जीवन हमारे देश में जीना है। सरकार ने जो नियम निर्धारित किए हैं, हमें उन नियमों का पालन करना चाहिए। जिससे देश आगे बढ़े। पांचवा बिंदु है, स्वदेशी का भाव ।स्वदेशी का भाव है अपने चरित्र में स्वाभिमान का भाव जगे। हमें अपने देश में निर्मित चीजों का प्रयोग करना चाहिए एवं उसमें गर्व का अनुभव करना चाहिए ।इस प्रकार संघ का एक आग्रह है कि व्यक्ति, परिवार, समाज, देश एवं दुनिया में पंच परिवर्तन का विचार लोगों में आए।सभी, देश को प्रत्येक क्षेत्र में श्रेष्ठ बनाएं। ऐसा आग्रह है। कुरीतियों को समाप्त करने पर कार्य करना होगा।

अलग-अलग प्रकरणों में नशे का सामान बेचते 11 पुरूष एवं 01 महिला सहित कुल 12 आरोपी गिरफ्तार

''सुखे नशे पर कमिश्नरेट का कड़ा प्रहार''

रायपुर थाना पण्डरी के प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी कीर्तन रक्सेल पूर्व में भी थाना तेलीबांधा एवं टिकरापारा के गांजा के प्रकरणों में चल रहा था फरार।

आरोपी प्रदीप जैन उर्फमोंटू जैन थाना खमराई का हिस्ट्रीशीटर है जो पूर्व में भी मारपीट, नारकोटिक्स एक्ट तथा आबकारी एक्ट के प्रकरणों में रह चुका है जेल निरूद्ध। खमतराई क्षेत्र में निवास करते हुए पूरे रायपुर में गांजा का रैकेट चलाने वाले परिवार के सदस्य निगरानी बदमाश उदय जैन, उसकी पत्नि डॉली जैन को पूर्व में एन.डी.पी.एस के प्रकरण में भेजे जा चुके है जेल, थाना पण्डरी के प्रकरण में उदय जैन के भाई प्रदीप जैन को भी किया गया गिरफ्तार। अब तक कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के उपरांत एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट द्वारा कुल 24 प्रकरणों में 56 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, एन.डी.पी.एस. के अपराध में अभी तक लगभग 01 करोड़ 72 लाख की मशरूका जप्त की गई है।

दिनांक 21.03.2026 को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट को सूचना प्राप्त हुई कि थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत नेहरूनगर स्थित हैल्थ केयर एवं जनरल स्टोर्स के संचालक द्वारा बिना किसी वैध कागजात के अवैध रूप से प्रतिबंधित नशीली टेबलेट बिक्री किया जा रहा है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त मेडिकल स्टोर में अपना प्वाईंटर भेजकर टेस्ट पर्चेस कराया गया, जैसे ही संचालक द्वारा पुलिस के प्वाईंटर को बिना किसी कागजात के अवैध रूप से प्रतिबंधित नशीली टेबलेट बिक्री किया गया वैसे ही पुलिस टीम द्वारा दुकान में रेड कार्यवाही की गई। रेड कार्यवाही के दौरान एक व्यक्ति उपस्थित था जिसने पूछताछ में अपना नाम

कयामुद्दीन निवासी सुभाष नगर मौदहापारा होना बताने के साथ ही स्वयं को मेडिकल दुकान का संचालक होना बताया।

टीम के सदस्यों द्वारा मेडिकल स्टोर की तलाशी लेने पर प्रतिबंधित नशीली टेबलेट अल्प्राजोलम रखा होना पाया गया, उक्त टेबलेट रखने एवं बिक्री करने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग करने पर उसके द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया।

पूछताछ करने पर उसके द्वारा उक्त टेबलेट को दयाल कुमार उदासी से लाना बताया गया, कि टीम के सदस्यों द्वारा दयाल कुमार उदासी की पतासाजी कर पकड़कर उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से प्रतिबंधित नशीली टेबलेट अल्प्राजोलम रखा होना पाया गया। दयाल कुमार उदासी से टेबलेट के संबंध में कड़ाई से पूछताछ करने पर उसके द्वारा महावीर नगर निवासी मनीष आहूजा से प्रतिबंधित नशीली टेबलेट लाना बताया गया, जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा मनीष आहूजा की भी पतासाजी कर पकड़ा गया।

तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से प्रतिबंधित नशीली टेबलेट अल्प्राजोलम 1700 नग एवं बिक्री रकम जप्त किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 6,80,000/- रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना कोतवाली में अप.क्र 133/26 धारा 22(ग), 29 नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर उनके विरूद्ध कार्यवाही किया गया है।

इसके साथ ही उक्त मेडिकल मेडिकल दुकान को सील एवं लायलेंस निरस्तीकरण कराये जाने हेतु अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

अवैध रूप से गैस सिलेंडर रखे संजय साव गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस उपायुक्त (नार्थ जोन) श्री मयंक गुर्जर (भा.पु.से.) के निर्देशानुसार अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने

सहित सुरक्षा व शांति व्यवस्था के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (नार्थ जोन) श्री आकाश मरकाम तथा सहायक पुलिस आयुक्त उरला सुश्री पूर्णिमा लामा के नेतृत्व में नार्थ जोन क्षेत्रान्तर्गत थाना प्रभारियों को अवैध रूप से कार्य करने वालो के विरुद्ध सख्त कार्यवाही निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में थाना खमतराई को सूचना प्राप्त हुई की बंजारी मंदिर के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से भारी मात्रा में घरेलू गैस सिलेंडर रखा हुआ है की सूचना पर मुखबिर के बताए स्थान पर दबिश देकर आरोपी संजय साहू को पकड़ कर अपने पास रखे घरेलू गैस सिलेंडर के संबंध में दस्तावेज प्रस्तुत करने कहने पर कोई भी वैद्य दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर आरोपी के कब्जे से कुल 16 नग इंडियन घरेलू गैस सिलेंडर कीमती 64000 जप्त कर थाना खमतराई में इस्तगासा क्रमांक 03/ 26 धारा 106 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही की गई, आरोपी द्वारा अवैध रूप से रखे कुल 16 नग इंडियन घरेलू गैस सिलेंडर के संबंध में खाद्य विभाग को पत्राचार कर अवगत कराया जायेगा। गिरफ्तार आरोपी - संजय साव पिता उमेश साव उम्र 30 वर्ष निवासी संतोष किराना स्टोर पार्किंग नंबर 1 ट्रांसपोर्ट नगर रावाभाठा रायपुर।

वेंचर कैटेलिस्ट्स ने Pee Safe से पूर्ण एग्जिट की घोषणा की, 9.60| रिटर्न और 30.53 XI हासिल

नईदिल्ली: भारत के अग्रणी इंटीग्रेटेड इनक्यूबेटर और शुरुआती चरण के निवेश प्लेटफॉर्म, वेंचर कैटेलिस्ट्स ने महिलाओं के हाइजीन और वेलनेस ब्रांड Pee Safe से अपनी पूर्ण एग्जिट की घोषणा की है। यह एग्जिट कंपनी के हालिया 32 मिलियन अमेरिकी डॉलर के फंडिंग राउंड के बाद हुई है, जिसका नेतृत्व वैश्विक हेल्थकेयर-केंद्रित प्राइवेट इक्विटी फर्म OrbiMed ने किया। इस फंडिंग राउंड के सेकेंडरी कंपोनेंट ने वेंचर कैटेलिस्ट्स सहित शुरुआती निवेशकों को लिक्विडिटी प्रदान की, जिससे दीर्घकालिक मूल्य सृजन को नकद रिटर्न में बदला जा सका। यह परिणाम कंपनी की उस रणनीति को दर्शाता है, जिसमें वह शुरुआती चरण में संभावनाशील कंपनियों की पहचान कर उन्हें स्केल तक समर्थन देती है।

वेंचर कैटेलिस्ट्स ने पहली बार अगस्त 2017 में Pee Safe में निवेश किया था, जब कंपनी टॉयलेट हाइजीन से आगे बढ़कर एक व्यापक पर्सनल हाइजीन और वेलनेस ब्रांड बनने की दिशा में अग्रसर थी। उस समय भारत में संगठित महिला हाइजीन नवाचार शुरुआती चरण में था, जो कंपनी की दूरदर्शिता को दर्शाता है।

यह एग्जिट जनवरी 2026 में पूरी हुई, जिससे निवेश पर 9.60 गुना रिटर्न और 30.53% XIRR प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि दर्शाती है कि वेंचर कैटेलिस्ट्स शुरुआती निवेश से लेकर सफल एग्जिट तक कंपनियों को आगे बढ़ाने में सक्षम है।

Pee Safe ने ओम nichannel मॉडल के माध्यम से तेजी से विस्तार किया है और आज इसके उत्पाद 100 से अधिक शहरों में 50,000 से अधिक रिटेल टचपॉइंट्स के साथ-साथ ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। कंपनी ने पिछले दो वर्षों में 45-50% वार्षिक वृद्धि दर्ज की है।

OrbiMed के नेतृत्व वाले इस राउंड के साथ Pee Safe की कुल फंडिंग 45.55 मिलियन डॉलर तक पहुंच गई है, जिसमें Zerodha और Natco Pharma जैसे निवेशक भी शामिल हैं।

वेंचर कैटेलिस्ट्स के संस्थापक डॉ. अपूर्वा रंजन शर्मा ने कहा, यह एग्जिट धैर्यपूर्ण शुरुआती निवेश का प्रमाण है, जहां हम बाजार से पहले संस्थापकों पर विश्वास करते हैं। Pee Safe ने मजबूत ब्रांड और वितरण नेटवर्क तैयार किया है। नकद रिटर्न देना हमारे निवेशकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

Pee Safe के संस्थापक विकास बगड़िया ने कहा, वेंचर कैटेलिस्ट्स ने शुरुआत से ही हमारे विजन पर भरोसा किया। OrbiMed के साथ आगे बढ़ते हुए हमें गर्व है कि हमारे शुरुआती निवेशकों को मजबूत रिटर्न मिला है। वेंचर कैटेलिस्ट्स भविष्य में भी कंज्यूमर, हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में निवेश जारी रखेगा, और मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

अल्ट्राटेक ने जल प्रबंधन के माध्यम से बलौदा बाजार-भाटापारा जिले में जल उपलब्धता को किया सशक्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्थित अल्ट्राटेक की इंटीग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट्स, हिरमी सीमेंट वर्क्स, रावन सीमेंट वर्क्स, कुकुरडीह सीमेंट वर्क्स और बैकुंठ सीमेंट वर्क्स ने विश्व जल दिवस के अवसर पर जिम्मेदार जल प्रबंधन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुन: दोहराया है। ये यूनिट्स प्रभावी जल प्रबंधन प्रक्रियाओं और मजबूत प्रशासनिक प्रणालियों के माध्यम से जल संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। यूनिट्स अपने परिसरों के भीतर और आसपास के समुदायों में जल की हार्वेस्टिंग, उपयोग में कमी, पुन: उपयोग और रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय पहल कर रही हैं, जिसमें उनके सामुदायिक जल संरक्षण ापहल की महत्वपूर्ण भूमिका है। बलौदा बाजार के पास स्थित हिरमी सीमेंट वर्क्स के कम्युनिटी वाटरशेड प्रोजेक्ट ने अपनी शुरुआत से ही उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2025 में यूनिट ने 68,000 घन मीटर से अधिक जल की हार्वेस्टिंग और रिचार्जिंग की, जबकि परियोजना की शुरुआत से अब तक कुल 93 लाख घन मीटर से अधिक जल की हार्वेस्टिंग और रिचार्जिंग की जा चुकी है। इन प्रयासों के तहत, यूनिट ने 31 मार्च 2025 तक अपने संचालन क्षेत्रों में कुल 07चेक डैम और 32 तालाबों का गहरीकरण किया है। इससे वित्त वर्ष 2025 तक 3200 से अधिक किसानों को लाभ मिला है, जबकि वर्ष 2025 में ही 1700 किसानों को इसका सीधा लाभ प्राप्त हुआ है। बलौदा बाजार के पास स्थित रावन सीमेंट वर्क्स ने भी इंटीग्रेटेड वाटरशेड मैनेजमेंट गतिविधियों को अपनाया है, जिसके परिणामस्वरूप परियोजना की शुरुआत से 31 मार्च 2025 तक कुल 3.3 लाख घन मीटर से अधिक जल की हार्वेस्टिंग और रिचार्जिंग की गई है। कैलेंडर वर्ष 2025 के दौरान 3500 घन मीटर जल की हार्वेस्टिंग और रिचार्जिंग की गई। यूनिट ने 2 चेक डैम के निर्माण और 36 तालाबों के गहरीकरण में भी सहयोग दिया है।

थाना राखी में दर्ज प्रतिरूपण कर ठगी एवं ब्लैकमेलिंग के प्रकरण में आरोपी धर्मेन्द्र चौहान गिरफ्तार

रायपुर। प्रारंभिक जांच में उक्त दोनों कॉल साइबर फ्रॉड करने के उद्देश्य से किये गये होना पाया गया। प्रार्थी द्वारा यह जानकारी अपने पुराने परिचित धर्मेन्द्र चौहान को बताई गई। आरोपी धर्मेन्द्र चौहान ने उक्त जानकारी का फायदा उठाकर ठगी की योजना बनाई। आरोपी ने प्रार्थी को दोनों नंबर ब्लॉक करने को कहा तथा स्वयं मामला पता करने का भरोसा दिलाया। इसके बाद आरोपी ने मोबाइल नंबर 7648072849 से प्रार्थी को व्हाट्सएप मैसेज भेजा तथा इसी नंबर से स्वयं को EOW का अधिकारी बताकर कॉल किया। उक्त नंबर आरोपी की महिला मित्र के नाम से लिया गया था, जिसका उपयोग आरोपी स्वयं करता था। आरोपी ने प्रार्थी के नाम से शिकायत की प्रति भेजकर उसे डराया-धमकाया तथा धर्मेन्द्र चौहान के माध्यम से मामला खत्म कराने का झांसा दिया। इसके बाद आरोपी धर्मेन्द्र चौहान ने प्रार्थी से 10 लाख रुपये की मांग की तथा प्रार्थी से ?9,50,000/- प्राप्त कर लिये। आरोपी धर्मेन्द्र चौहान का जगदलपुर में टेंट का व्यवसाय है। वह पूर्व से प्रार्थी के संपर्क में था, प्रार्थी द्वारा किन-किन जिलों में क्या-क्या कार्य किया गया है, इसकी जानकारी रखता था तथा प्रार्थी की कमजोरियों को भी जानता था। प्रकरण में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा जिस मोबाइल फोन से वह कॉल एवं मैसेज करता था, उसे जप्त कर लिया गया है। थाना राखी में दर्ज प्रकरण की जांच के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि प्रार्थी देवलाल सिंह टेकाम, जो लोक निर्माण विभाग में अधीक्षण अभियंता के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं, को दिनांक

28.01.2026 को मोबाइल नंबर 9795675336 एवं 8527958502 से कॉल प्राप्त हुए। कॉल करने वालों ने स्वयं को सतर्कता विभाग/ ACB/EOW से संबंधित बताते हुए प्रार्थी को यह कहा कि उसके विरुद्ध शिकायत हुई है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि उक्त दोनों कॉल साइबर ठगी करने के उद्देश्य से किये गये थे। प्रार्थी द्वारा यह बात अपने पुराने परिचित धर्मेन्द्र चौहान को बताई गई कि उसके पास अलग-अलग मोबाइल नंबरों से कॉल आ रहे हैं तथा उसे सतर्कता विभाग/ ACB/EOW में शिकायत होने की बात बताकर डराया जा रहा है। जांच में पाया गया कि प्रार्थी से उक्त जानकारी प्राप्त होने के बाद आरोपी धर्मेन्द्र चौहान ने इसका फायदा उठाने की योजना बनाई। उसने प्रार्थी से कहा कि वह चिंता न करे, वह पता करता है कि मामला क्या है, तथा प्रार्थी को दोनों नंबर ब्लॉक करने के लिए कहा। इसके बाद आरोपी ने अपनी महिला मित्र के नाम से लिये गये मोबाइल नंबर 7648072849 से प्रार्थी को व्हाट्सएप मैसेज भेजा। इसी नंबर से उसने प्रार्थी को उसके नाम से शिकायत की एक प्रति भेजी तथा बाद में स्वयं को EOW का अधिकारी बताकर कॉल किया।

दूरस्थ अंचलों के दिव्यांगों को मिला सहारा

रायपुर। दिव्यांगजनों के जीवन को सुगम और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार की पहल लगातार प्रभावी साबित हो रही है। इसी कड़ी में बस्तर जिले के आड़ावाल स्थित जयपुर फुट सेंटर में आयोजित विशाल सहायक उपकरण वितरण शिविर ने राज्य में दिव्यांग सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। शिविर में कुल 120 हितग्राहियों को आधुनिक तकनीक से निर्मित कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण प्रदान किए गए, जिससे उनके जीवन में नई उम्मीद जगी।

शिविर में बस्तर सहित आसपास के दूरस्थ अंचलों से बड़ी संख्या में दिव्यांगजन और उनके परिजन पहुंचे। पंजीयन के बाद विशेषज्ञों द्वारा जांच कर हितग्राहियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उपकरण उपलब्ध कराए गए। आयोजन के दौरान 6 दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ और 5 को कृत्रिम पैर प्रदान किए गए, वहीं 19 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, 33 सामान्य ट्राईसाइकिल और 16 व्हीलचेयर वितरित की गईं, जिससे दिव्यांगजनों की गतिशीलता और आत्मनिर्भरता में उल्लेखनीय

वृद्धि होगी। शिविर में शासन की योजनाओं से जोड़ने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। 17 हितग्राहियों के यूडीआईडी कार्ड बनाए गए, जिससे उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ सहजता से मिल सकेगा। इसके साथ ही 14 दिव्यांगों को श्रवण यंत्र और 12 हितग्राहियों को बैसाखी प्रदान की गई, जिससे उनके दैनिक जीवन को अधिक सरल बनाने में मदद मिलेगी। जयपुर फुट सेंटर के विशेषज्ञों द्वारा लगाए गए इस शिविर ने दूरस्थ क्षेत्रों से आए दिव्यांगजनों को राहत और विश्वास प्रदान किया। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के शिविरों का उद्देश्य दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना, उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है।

गुढ़ियारी में सड़क चौड़ीकरण का विरोध, कार्रवाई के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग

रायपुर। राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी इलाके में सड़क चौड़ीकरण को लेकर विरोध तेज हो गया है। स्थानीय दुकानदारों और रहवासियों के साथ कांग्रेस, भीम आर्मी और छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के समर्थक बड़ी संख्या में सड़क पर उतर आए और प्रशासन की कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन किया।

कार्रवाई के बीच विरोध प्रदर्शन- प्रशासन की ओर से सड़क चौड़ीकरण के तहत अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। मौके पर नगर निगम और जिला प्रशासन की टीम के साथ भारी पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि स्थिति नियंत्रण में बनी रहे।

दुकानदारों का आरोप: तय सीमा से ज्यादा तोड़फोड़- स्थानीय लोगों का कहना है कि वे पिछले 40-50 वर्षों से यहां व्यापार कर रहे हैं और उन्हें पहले ही मुआवजा दिया जा चुका है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि प्रशासन तय सीमा से अधिक हिस्से को तोड़ रहा है। एक दुकानदार ने कहा, हमारी दुकान ही हमारी

रोजी-रोटी का सहारा है। अगर इसे पूरी तरह तोड़ दिया गया, तो परिवार कैसे चलेगा?

राजनीतिक बयानबाजी भी तेज- कांग्रेस जिला अध्यक्ष कुमार मेनन ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में गरीबों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहाड़ी चौक, मंगल बाजार और शुक्रवारी बाजार की दुकानों पर जरूरत से ज्यादा कार्रवाई की जा रही है और इसका विरोध जारी रहेगा।

प्रशासन का पक्ष: नियमों के तहत कार्रवाई- वहीं नायब तहसीलदार प्रवीण परमान ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई पीडब्ल्यूडी और जिला प्रशासन द्वारा नियमानुसार की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रभावित दुकानदारों को मुआवजा पहले ही दिया जा चुका है और सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की गई हैं।

इलाके में जाम की स्थिति- विरोध प्रदर्शन के चलते गुढ़ियारी क्षेत्र में यातायात प्रभावित हुआ और सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी हुई है। फिलहाल, प्रशासन अपनी कार्रवाई जारी रखने पर अडिग है, जबकि स्थानीय लोग और संगठन विरोध जारी रखने की बात कह रहे हैं।

प्रकरण में पूर्व में गिरोह के 03 सदस्यों को किया जा चुका है गिरफ्तार

फर्जी कॉल सेंटर संचालित कर देश भर में करोड़ो रूपये की ठगी करने वाले गिरोह का फरार मास्टर माईंड गिरफ्तार

रायपुर - प्रार्थी परमजीत सिंह चड्ढा ने थाना मुजगहन में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह ग्राम कांदुल, मुजगहन रायपुर में रहता है। प्रार्थी को माह नवम्बर 2024 को उसके मोबाईल फोन नम्बर में मोबाईल न0 8826982241 के धारक अनिरूद्ध चौधरी के द्वारा फोन आया तथा उसने प्रार्थी को बताया कि उसके नाम से डी.बी.टी. भारत बैंक में कुल 98,64,000/- रूपये की बीमा पॉलिसी मैच्योर हो चुकी है, उक्त रकम का वह नॉमिनी है तथा उक्त बैंक आपको नॉमिनी होने के कारण सम्पूर्ण मैच्योरिटी की राशि बैंक के द्वारा आपको प्रदान किया जाना है तथा उसके लिये आपको बैंक में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिये कहा गया एवं यदि व्यक्तिगत रूप से बैंक में उपस्थित होने में असमर्थ है तो मोबाईल पर सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर मैच्योरिटी की राशी आहरण करने की सम्पूर्ण औपचारिकताये पूर्ण की जायेंगी एवं राशि आपके बैंक खाते में जमा करा दी जावेगी। जिसके पश्चात् अनिरूद्ध चौधरी द्वारा 01 अन्य बैंक कर्मी सरला आर्या मो.नं. 7668121478 से बात कराई तथा कहा कि आगे की

औपचारिकताओं हेतु सरला आर्या ही कार्य करेंगी। सरला आर्या द्वारा प्रार्थी को बिमा की मैच्योरिटी राशि प्राप्त करने हेतु प्रोसेसिंग फीस जमा करने हेतु प्रफुल्ल कृष्णा नामक व्यक्ति के बैंक ऑफ बड़ौदा का खाता संख्या 51570100021245 प्रदाय किया जिसमें प्रार्थी द्वारा दिनांक 26.03.2025 को 22,600/- रूपये जमा किया गया, इसके बाद पुन: सरला आर्या द्वारा बिमा की मैच्योरिटी राशि प्राप्त करने के लिये कागजी कार्यवाही हेतु 4,21,485/- रूपये जमा कराने हेतु कहा गया जिस पर प्रार्थी द्वारा दिनांक 04.06.2025 से 21.07.2025 तक अलग-अलग किश्तों में सरला आर्या द्वारा जमा कराने हेतु की गई रकम को जमा करा दिया गया। इसके पश्चात् सरला आर्या द्वारा पुन: बिमा की मैच्योरिटी राशि 98,64,000/- रूपये को प्राप्त करने हेतु टैक्स भरने एवं एन.ओ.सी. प्राप्त करने हेतु पुन: 01 इंडियन ओवरसीस बैंक का खाता दिया गया एवं उसमें 3,44,640/- रूपये जमा करने हेतु कहा गया, जिसके बाद प्रार्थी द्वारा मुझे शक हो रहा है कहा गया तब उनके द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक का कूटरचित दस्तावेज एवं 01 बैंक का डी.डी. प्रार्थी के फोन पर भेजा गया जिसके बाद प्रार्थी ने पुन: उनके दिये हुए बैंक खाता में चाही गई रकम स्थानांतरित करवा दी गई। इसके पश्चात् प्रार्थी द्वारा सरला आर्या द्वारा भेजे गये दस्तावेज एवं डी.डी. को अपने बैंक में जाकर चेक करवाया तो उनके द्वारा प्रार्थी को उसके साथ ऑनलाईन ठगी होना बताया गया। इस प्रकार मोबाईल न0 8826982241 के धारक अनिरूद्ध चौधरी तथा मो.नं. 7668121478 सरला आर्या के द्वारा प्रार्थी को कूटरचित दस्तावेज दिखा कर बिमा पोलिसी राशि मैच्योर होने के झांसा देकर उससे अलग-अलग किश्तो में कुल 9,60,000/- रूपये अलग-अलग म्यूल बैंक खाताओं में स्थानांतरित कराकर ऑनलाईन ठगी की गई थी। जिस पर आरोपियों के विरूद्ध थाना मुजगहन में अपराध क्रमांक 24/26 धारा 318(4) बी.एन.एस., 61डी आई टी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना मुजगहन की संयुक्त टीम द्वारा प्रकरण में पूर्व में गिरोह के 03 आरोपी 01. अनिल कुमार पिता स्व. प्रभाति सिंह उम्र 37 साल निवासी ए-102 हयान एन्क्लेव लोनी देहात डी.एल.एफ अंकुर विहार जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश। 02. अजय तिवारी पिता स्व. प्रेमचंद तिवारी उम्र 33 साल निवासी ए-32 राहुल विहार विजय नगर थाना विजय नगर जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश तथा 03. रिंकू सिंह पिता स्व. करतार सिंह उम्र 42 साल निवासी प्लॉट नं. 217 शालिमार गार्डन 01 थाना शालिमार गार्डन शाहिबाबाद गाजियाबाद उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 03 नग मोबाईल फोन जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया है।

संपादकीय

प्रस्ताव पारित होने की संभावना नहीं

अविश्वास प्रस्ताव ओम बिरला के खिलाफ के जारी एवं गहराती गई शिकायतों को ऑन- रिकॉर्ड लाने की विपक्ष की कोशिश का हिस्सा है। वरना, विपक्ष भी अवगत रहा है कि इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है। संसदीय लोकतंत्र में पीठासीन अधिकारी पर सदन का कोई पक्ष अविश्वास जताए, तो उस पर खेद ही प्रकट किया जा सकता है। लेकिन भारत अभी ऐसे ही अफसोसनाक दौर में है। हाल के वर्षों में विपक्षी दलों में यह शिकायत गहराती चली गई है कि संसद के दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों के लिए सत्ताधारी दल की प्राथमिकताएं संसदीय मर्यादा से अधिक अहम हो गई हैं। दोनों सदनों में इल्जाम लगाए जा चुके हैं कि पीठासीन अधिकारी सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। लोकसभा में तो एक मौके पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने खुलेआम कहा था कि प्रधानमंत्री और विपक्षी नेताओं से मुलाकात के दौरान स्पीकर ओम बिरला का व्यवहार और हाव-भाव अलग-अलग होता है। तृणमूल कांग्रेस के एक सदस्य ने इल्जाम लगाया था कि बिरला सत्ता पक्ष के सदस्यों को नेहरू युग की घटनाओं का उल्लेख करने की इजाजत देते हैं, लेकिन विपक्ष के सदस्य अगर नोटबंदी जैसी अपेक्षाकृत हालिया घटनाओं का जिक्र करें, तो उसे कार्यवाही से निकाल देते हैं। ऐसे आरोपों की शृंखला बहुत लंबी हो चुकी है। बिरला के खिलाफ के विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को इसी संदर्भ में देखा जाएगा। इसे जारी एवं गहराती गई शिकायतों को ऑन- रिकॉर्ड लाने की विपक्ष की कोशिश का हिस्सा माना जाएगा। वरना, विपक्षी दल भी वाकिफ रहे हैं कि सदन का गणित उनके पक्ष में नहीं है और इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है। प्रस्ताव पर बहस से पहले प्रधानमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री ने बिरला का जोरदार बचाव कर स्पष्ट कर दिया कि सत्ता पक्ष मजबूती से उनके हक में खड़ा है। अत: सत्ता पक्ष में इस पर किसी पुनर्विचार की संभावना तक नहीं है कि आखिर विपक्ष इस हद तक क्यों गया और क्या उसकी शिकायतों को दूर करने के लिए कुछ किया जाना चाहिए? नतीजतन, स्पीकर के खिलाफ विपक्ष की आपत्तियां संभवत: यथावत बनी रहेंगी, जिनका साया सदन की आगे की कार्रवाहियों पर पड़ता रहेगा। उस स्थिति में संवाद एवं अधिकतम सहमति निर्माण के मंच के बतौर सदन के आगे भी अपेक्षित भूमिका निभाने की उम्मीद कम ही है।

पाक का काबूल पर कायराना हमला इंसानियत के लिये खतरा

सौरभ वार्ष्णेय

कहते है कि पवित्र रमजान का महीना आत्मसंयम, करुणा और इंसानियत की सेवा का संदेश देता है। ऐसे समय में काबुल पर हुआ कथित कायराना हमला न सिर्फ मानवीय मूल्यों का अपमान है, बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है। जब दुनिया शांति और सह-अस्तित्व की बात कर रही हो, तब इस तरह की हिंसक घटनाएं सभ्यता के मूल सिद्धांतों को चुनौती देती हैं। रमजान का सार ही यह है कि इंसान अपने भीतर झांककर बुराइयों से दूर रहे और समाज में प्रेम, भाईचारे और सहयोग को बढ़ावा दे। लेकिन काबुल में हुआ हमला इस पवित्र भावना के ठीक विपरीत है। निर्दोष लोगों की जान लेना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह न केवल एक देश की संप्रभुता पर हमला है, बल्कि पूरी मानवता के खिलाफ अपराध है। यदि इस हमले में किसी भी देश या तत्व की संलिप्तता साबित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बिना किसी भेदभाव के सख्त कदम उठाने चाहिए। आतंक और हिंसा के प्रति चयनात्मक' रवैया ही ऐसी घटनाओं को बढ़ावा देता है। जरूरत इस बात की है कि वैश्विक मंचों पर एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ ठोस और निष्पक्ष नीति अपनाई जाए। दक्षिण एशिया पहले से ही अस्थिरता और अविश्वास के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस तरह की घटनाएं क्षेत्रीय शांति को और कमजोर करती हैं। यह समझना होगा कि युद्ध और हिंसा का रास्ता किसी समस्या का समाधान नहीं है। बातचीत, कूटनीति और आपसी विश्वास ही स्थायी शांति का आधार बन सकते हैं।आज सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हम रमजान जैसे पवित्र अवसर पर भी इंसानियत का सम्मान नहीं कर सकते? काबुल की यह घटना हमें चेतावनी देती है कि अगर समय रहते हिंसा के इस चक्र को नहीं रोका गया, तो इसके परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं। यह समय है जब दुनिया को एकजुट होकर यह संदेश देना चाहिए कि इंसानियत सर्वोपरि है। किसी भी प्रकार की हिंसा, चाहे वह किसी भी नाम पर हो, उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। रमजान के इस पावन महीने में शांति, सहिष्णुता और मानवता के मूल्यों को पुन: स्थापित करना ही सच्ची श्रद्धा होगी। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब तीन देश आमने सामने खुलेआम मिसाइलों से हमले कर रहे हैं । इस युद्ध की वजह से पूर्ण विश्व महंगाई सहित अन्य चीजों से कराहा उठा है। कच्चे तेल ने खेल ही कर दिया। बात कर रहे हैं पाकिस्तान की जो कि अन्य देशों की तुलना में भुखमरी के कगार पर है ऐसे में वह काबुल पर असमय बमबारी कर रहा है मासूमों की जान ले रहा है। पूरा विश्व खामोशी के साथ यह सब देख रहा है। ज्ञात रहे कि पाकिस्तान को अपने आस्तीन में पालने वाले देश भी भलीभांति जान ले कि जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है सबसे पहले वही उस गड्ढे में गिरता है। ऐसा ही हाल उन देशों का हो रहा है जो अपने महान देश बनाने के चक्कर में शांति के लिये भी खतरा बनते जा रहे हैं। ऐसे पाकिस्तान देश कितने दिनों के हैं। जब दूसरे पर बम फोड रहे हैं तो दूसरा देश बदला तो लेगा ही। कहने का आशय है कि जो देश गरीबी में जी हरा है। वह अपने को विकास करने की जगह अपने को आग की भट्टी में झोंक रहा है। भारत ने भी कड़े शब्दों में निंदा कर कहा है कि पाकिस्तान अब इस नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान द्वारा किया गया यह घृणित आक्रमण अफगानिस्तान की संप्रभुता पर एक स्पष्ट हमला है और क्षेत्रीय शांति तथा स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। यह पाकिस्तान के लगातार लापरवाह व्यवहार और अपनी आंतरिक विफलताओं को सीमा पार हिंसा के बढ़ते हिंसक कृत्यों के माध्यम से छिपाने के बार-बार किए जाने वाले प्रयासों को दर्शाता है।

अमेरिका-ईरान युद्ध से अब इंटरनेट सेवाओं पर संकट के बादल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध के चलते अभी विश्व के देश ऊर्जा संकट का समाधान तो निकाल ही नहीं पा रहे कि डिजिटल सेवाओं के बाधित होने के भय से दुनिया के देशों की सरकारों की जान सांसत में आने लगी हैं। इंटरनेट आज प्रमुख आवश्यकताओं में से एक हो गया है। एयर लाइंस, बैंकिंग सेवाएं, संचार व्यवस्था जिसमें संवाद कायम करने से लेकर सभी तरह की डिजिटल सेवाएं, स्टॉक मार्केट आदि आदि बुरी तरह से प्रभावित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। आज इंटरनेट पर निर्भरता बहुत अधिक हो गई है। अमेरिका-ईरान युद्ध को जिस तरह से शुरुआती दौर में ट्रंप द्वारा हलके में लिया जा रहा था वास्तव यह ट्रंप की गलत फहमी ही रही। वैसे भी रुस यूक्रेन के युद्ध से ही अमेरिका को सबक लेना चाहिए था। दोनों देश पास पास होने और संसाधनों की दृष्टि से रुस अधिक ताकतवर होने के बावजूद आज तक कोई अंत नहीं दिखाई दे रहा। अमेरिका ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रुप में अभी तो उर्जा संकट है पर जिस तरह के हालात बनते जा रहे हैं आने वाले समय में मध्य पूर्व के देशों में पेयजल और दुनिया के देशों के लिए इंटरनेट सेवाओं के प्रभावित होने की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। दरअसल जिस तरह से कच्चे तेल और एलपीजी आदि की दुनिया के देशों में सप्लाई हार्मुज जलडमरुमध्य के रास्ते होने और ईरान द्वारा इस रास्ते में अवरोध बनने से उर्जा संकट गंभीर रुप लेता जा रहा हैं। ठीक यही समस्या इंटरनेट को लेकर हो सकती है। कारण साफहै। युद्ध समाप्ति या यों कहें कि सीज फायर के आसार अभी तक बनते नहीं लग रहे तो दूसरी और ज्यों ज्यों एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने के अधिक प्रयास होंगे तो ईरान हथियार के रुप में समुद्र में बिछी केबल्स को भी नुकसान पहुंचाने में कोई गुरेज नहीं करेगा। दुनिया के इंटरनेट ट्रैफिक्क का प्रमुख रास्ता भी यही है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 20 प्रतिशत ट्रैफिक्क हार्मुज और लालसागर के रास्ते से गुजरता है। हार्मुज जलडमरुमध्य तो हालात यहां तक है कि सकरे स्थान पर तो मात्र 200 फीट की गहराई पर ही सबमैरिन केबल लाईने बिछी हुई है। लगभग यही हालात लालसागर के हैं। वहां भी इंटरनेट सेवाओं के लिए सबमैरिन केबल्स बिछी हुई है। ऐसा कयास लगाया जा रहा है कि ईरान द्वारा हार्मुज जलडमरुमध्य क्षेत्र में सुरंगे बिछाने का काम किया जा रहा है और इससे अन्य नुकसान होने के साथ ही फाइबर केबल्स के भी क्षतिग्रस्त होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। अधिकांश प्रमुख सेवा प्रदाताओं ने इसी क्षेत्र में डेटा सेंटर स्थापित कर रखे हैं। जानकारों के अनुसार हार्मुज क्षेत्र से करीब 20 और लालसागर क्षेत्र से 17 केबल्स गुजरती है। 2024 में भी लाल सागर क्षेत्र में हूती हमलों के दौरान केबल प्रभावित हो चुकी है। वर्तमान हालातों में यदि सबमैरिन केबल्स प्रभावित भी होती है तो हालात जिस तरह के हैं उनमें प्रभावित केबल्स को ठीक करनों में महीनों ही क्या साल भी लग सकता है और ऐसे में दुनिया के देश एक नए संकट के दौर से गुजरने को मजबूर हो जाएंगे।

इंटरनेट की दुनिया अभी छह दशक भी पूरे नहीं कर पाई है कि बड़ी समस्या सामने आ गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि 1960 में जब जेसीआर लिकलाइडर ने वैश्विक नेटवर्क की कल्पना की थी उस समय यह सोचा भी नहीं होगा कि तीन से चार दशक में ही इंटरनेट संचार जगत में बड़ी क्रांति लाने में सफल हो जाएगा। 1969 में अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा एंडवास्ड रिसर्च प्रोजेक्टस एजेन्सी नेटवर्क के लिए विंट सर्फ और बॉब काह्न ने टीसीपी/आईपी प्रोटोकाल विकसित किया। इंटरनेट की दुनिया में आमूलचूल बदलाव तो टिम बर्नर्स ली द्वारा ड्ब्लूड्ब्लूड्ब्लू वर्ल्ड वाइड वेव विकसित किया तो इससे संचार दुनिया ही बदल गई। भारत में सही तौर पर तो 1995 में वीएसएनएल ने इंटरनेट सेवाओं का विस्तार किया। आज बड़ी समस्या यह है कि अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि के विशाल डेटा सेंटर यूएई और सउदी आदि देशों में हैं। यही कारण है कि समुद्री रास्ते से फाइबर केबल्स भी हार्मुज जलडमरुमध्य व लालसागर होते हुए ही हैं। यदि केबल्स में व्यवधान होती है या किसी तरह से जाने अनजाने नुकसान पहुंचता है तो वीडियों काल, इमेल आदि से लेकर इंटरनेट से जुड़ी सभी तरह की सेवाएं प्रभावित हो सकती है और इसीको लेकर चिंता की लकीरें खिंचने लगी है।

वैसे आज संयुक्त राष्ट्र संघ तो बेमानी हो गया है। दुनिया के देशों के अलग अलग बने संगठन चाहे वे नाटो हो या ब्रिक्स या पिछले कुछ सालों के देश-दुनिया के हालातों में बेमानी हो गए हैं। वैश्विक हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर होते जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि कोई ना कोई ऐसी नियामक संस्था या कोई ना कोई इस तरह की बाध्यकारी व्यवस्था अवश्य होनी चाहिए जिससे दुनिया के देशों और उनके नागरिकों से जुड़ी सुविधाओं से छेड़छाड़ ना हो इस तरह की व्यवस्था किया जाना आवश्यक है। किसी भी देश या संगठन को इस तरह की सार्वभौमिक सेवाओं को बाधित करने से रोकने की व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए। क्योंकि दुनिया के देशों में कौन कब सिरफिरा नेता अपने अहम् की शांति के लिए दुनिया को संकट में ड़ाल दे इसकी संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। आज ऊर्जा, पानी, स्वास्थ्य, डिजिटल दुनिया आदि आदि ऐसी सेवाएं है जिनके प्रभावित होने का असर समूची नहीं तो अधिकांश देशों पर पड़ता है और यह दुष्प्रभाव केवल देशों तक ही नहीं अपितु वहां निवास करने वाले करोड़ों नागरिकों पर सीधे सीधे पड़ता है। ऐसे में पूरी वैश्विक व्यवस्था को ही ठप्प करने वाले प्रयासों पर अंकुश या कारगर रोक लगाया जाना जरुरी हो जाता है। दो देशों के टकराव के चलते समूची दुनिया या दुनिया के अधिकांश देशों को संकट में नहीं ड़ाला जा सकता। दुनिया के देशों को इस दिशा में ठोस पहल करनी ही होगी।

विद्युत क्षेत्र में भारत के नेतृत्वकारी क्षमता की राह बुलंद करना: नई विकास गाथा को ऊर्जा प्रदान कर रहा है भारत

मनोहर लाल

प्राचीन प्रार्थना तमसो मा ज्योतिर्गमय - अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो - केवल आध्यात्मिक आकांक्षा भर नहीं, अपितु आधुनिक भारत की गाथा को भी दर्शाती है। बीते दशक में, कभी लगातार कमी से परिभाषित होने वाले विद्युत इकोसिस्टदम को दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते, सबसे वैविध्यिपूर्ण और सुधार-प्रेरित विद्युत बाज़ारों में से एक में परिवर्तित कर हमने इस आदर्श भावना को वास्तविकता में बदल दिया है।

जैसे-जैसे भारत स्वयं को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र, उभरती हुई डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित कर रहा है, वैसे-वैसे विद्युत क्षेत्र हमारी राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता की आधारशिला बन गया है।

पिछले दशक में, हमने उत्पादन और पारेषण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे राष्ट्रीय ऊर्जा की कमी वित्त वर्ष 2013-14 में 4.2 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 तक मात्र 0.03 प्रतिशत रह गई है। केवल वित्त वर्ष 2025-26 में ही (जनवरी 2026 तक), सभी स्रोतों से रिकॉर्ड 52.53 गीगावाट क्षमता जोड़ी गई है, जो एक ही वर्ष में जोड़ी गई अब तक की सर्वाधिक क्षमता है, जिसने 2024-25 में स्थापित 34.05 गीगावाट के पिछले सर्वोच्च स्तर को भी पार कर लिया है। कुल विद्युत उत्पादन वित्त वर्ष 2014 में 1,020.2 बीयू से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 1,830 बीयू हो गया है। प्रति व्यक्ति खपत 2014 में 957 किलोवाट-घंटे से बढ़कर 2025 में 1,460 किलोवाट-घंटा हो गई है, जो आर्थिक विकास और बेहतर पहुँच को दर्शाती है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि हर घर, खेत और उद्योग के पास उसकी आवश्यकता के अनुसार विश्वसनीय विद्युत उपलब्धघ हो और भारत अब दुनिया में विद्युत का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता बन गया है।

यद्यपि हम 520 गीगावाट से अधिक विद्युत उत्पानदित करने में सक्षम हैं, लेकिन किसी भी प्रणाली की असली परीक्षा अधिकतम मांग या पीक लोड को बिना किसी तरह के संचालनात्मक दबाव के संभाल सकने की उसकी क्षमता होती है। साल 2024 की गर्मियों में अधिकतम मांग रिकॉर्ड 250 गीगावाट तक पहुँच गई थी और वित्त वर्ष 2025-26 में यह 242.49 गीगावाट रही। इससे पहले मांग में इस तरह की वृद्धि से ग्रिड पर दबाव पड़ सकता था, लेकिन हमारे लोड डिस्पैच केंद्रों ने लगभग शून्य ऊर्जा हानि के साथ इसे सफलतापूर्वक प्रबंधित किया। यह मजबूती दुनिया के सबसे बड़े समकालिक ग्रिडों में से एक के कारण संभव हुई है, जिसमें 120 गीगावाट अंतर-क्षेत्रीय स्थानांतरण क्षमता है, जो देश को एक राष्ट्र-एक ग्रिड-एक फ्रीक्वेंसी में एकीकृत करती है। प्रेरणादायक बात केवल यह नहीं है कि हम कितनी विद्युत का उत्पाषदन करते हैं, बल्कि यह भी है कि हम उसे कैसे उत्पानदित करते हैं। गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता का अंश तेजी से बढ़ा है, जिसकी बदौलत भारत 50 प्रतिशत संचयी गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित विद्युत क्षमता हासिल करने के अपने एनडीसी लक्ष्य को निर्धारित समय से लगभग पाँच वर्ष पहले ही हासिल करने में समर्थ हो सका है। यह स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और जलवायु के प्रति हमारी संकल्पिबद्धता को दर्शाता है। 2014 से, मिशन मोड योजनाओं के माध्यम से विद्युत क्षेत्र को नए रूप में ढाला गया है, जिन्होंने पहुँच का विस्तार करते हुए सतत परिवर्तन को भी गति दी है। दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना ने भारत के हर गांव तक बिजली पहुँचायी, इसके बाद सौभाग्य योजना आई, जिसने लाखों घरों को बिजली से रोशन किया और ऊर्जा तक पहुँच को सभी के लिए वास्तविकता बना दिया। एक अन्य परिवर्तनकारी सुधार सितंबर 2025 में समान आईएसटीएस सबस्टेशनों पर सौर और गैर-सौर घंटों के लिए अलग-अलग कनेक्टिविटी की शुरुआत है। सौर परियोजनाओं को सौर घंटों के दौरान पहुँच मिलती है, जबकि भंडारण और पवन परियोजनाओं को गैर-सौर घंटों में पहुँच मिलती है।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

ललित गर्ग

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की

राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंतत: हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंतत: नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है।

हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द-गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं। इसलिए दुनिया को यह तय करना होगा कि उसे हथियारों की दुनिया बनानी है या मानवता की दुनिया।

यदि वर्तमान परिस्थितियों में युद्ध नहीं रुके और हथियारों की होड़ इसी तरह बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में दुनिया को महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसे अनेक संकटों का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति पूरी मानवता के लिए खतरनाक होगी। इसलिए अब समय आ गया है कि विश्व के सभी देश अपने संकीर्ण राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर वैश्विक हितों के बारे में सोचें और युद्ध के बजाय शांति, सहयोग और सहअस्तित्व का मार्ग अपनाएं। मानव सभ्यता का भविष्य हथियारों से नहीं, बल्कि शांति, संवाद और सहयोग से सुरक्षित हो सकता है। यही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही मानवता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी।

युद्ध का अंधेरा मानवता को केवल विनाश, महंगाई, भय और अस्थिरता देता है, जबकि दुनिया को आज शांति, संवाद और स्थिरता का उजाला चाहिए, और इस दिशा में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। आज वैश्विक परिदृश्य में भारत केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि एक नैतिक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यक्तित्व एक ऐसे विश्व नेता के रूप में उभरा है जो युद्ध नहीं, संवाद-संघर्ष नहीं, सहयोग और हिंसा नहीं, सहअस्तित्व की बात करता है। भारत बुद्ध, महावीर और गांधी की अहिंसा की परंपरा का देश है, इसलिए भारत यदि सक्रिय कूटनीतिक पहल करे, युद्धरत देशों के बीच संवाद का सेतु बने, संयुक्तराष्ट्र के मंच पर युद्ध विराम की ठोस पहल करे, तो वह विश्व राजनीति को नई दिशा दे सकता है। मोदी यदि शांति, अहिंसा, वैश्विक संवाद और आर्थिक सहयोग के चार सूत्रों पर विश्व को साथ लाने की पहल करें तो भारत वास्तव में विश्व शांति का मार्गदर्शक बन सकता है और युद्ध की दिशा में बढ़ती दुनिया को शांति और स्थिरता की दिशा में मोड़ने में ऐतिहासिक भूमिका निभा सकता है।

ऑफिस में आपकी इमेज खराब कर देंगी ये आदतें

आप ऑफिस में अपना काम तो कम लगाकर करते हैं और आपका काम भी बहुत अच्छा है, लेकिन अगर आपने ये पांच गलतियां की तो सारी मेहनत धरी की धरी रह जाएगी। आपकी कुछ आदतें ऑफिस में आपको बदनाम कर सकती है, अब भले ही आपका काम अच्छा क्यों न हों। आइए जानते हैं ऐसी कौन सी 5 आदतें हैं जिन्हें सुधारना जरूरी है:

- क्या आप उनमें से हैं जो ऑफिस का डेकोरम मेनटेन नहीं रखते। सबसे पहले आप अपने आने का समय चेक कीजिए। क्या आप रोजाना लेट पहुंचते हैं? आपकी यह लेटलतीफी आपकी इमेज को नुकसान पहुंचा सकती है।
- आपने यह बात नोटिस की है कि आप इधर की बातें उधर करते हैं। अगर हां, तो तुरंत ही गॉसिपिंग की आदत छोड़ दें। अगर आप एक सहकर्मी की बुराई दूसरे सहकर्मी के सामने करेंगे तो इससे नेगेटिव इमेज पेश होगी। वहीं ऑफिस का माहौल बिगाड़ने का दोष भी आपके सर पर होगा।
- आपने इस बात को शायद ही सोचा होगा लेकिन ऑफिस में भी आपकी साफ-सफाई की आदतें नोटिस की जाती है। अगर आप अपनी डेस्क अस्त-व्यस्त और साफ नहीं होगी तो दूसरे आपसे कतराएंगे।
- कहीं भी, कुछ भी कहने की आदत आपमें तो नहीं? आपकी बोली में कहीं रूखापन तो नहीं? अगर ऐसा है तो आपको अपने एटिट्यूड को बदलना होगा। आपको सीनियर हो या जूनियर सभी से ऑफिस में विनम्रता से बात करनी चाहिए।
- अगर आप ऑफिस के फोन या फिर अपने मोबाइल पर तेज आवाज में बात करते हैं या फिर आपके मोबाइल की रिंगटोन काफी तेज है तो यह आपके आस-पास बैठे सभी लोगों को डिस्ट्रैक्ट और इरिटेट कर सकता है।

कोचिंग इंस्टीट्यूट या ऑनलाइन कोचिंग कौन-सा रास्ता बेहतर

जब बात प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की होती है, तो विद्यार्थियों के सामने एक दुविधा यह पेश आती है कि वे किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट से पढ़ाई करें या फिर ऑनलाइन कोचिंग का सहारा लें। स्थिति इस बात से और जटिल हो जाती है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने का कोई एक रास्ता ही नहीं होता। जहां कुछ युवा कोचिंग इंस्टीट्यूट्स में पढ़कर परीक्षा क्रैक कर देते हैं, वहीं कुछ अन्य युवा ऑनलाइन पढ़ाई करके सफलता पा लेते हैं।

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा को क्रैक करना आसान नहीं होता। इसमें गंभीरता से तैयारी करने और पढ़ाई के प्रति प्रतिबद्ध रहने की जरूरत होती है। फिर चाहे वह बैंकिंग की परीक्षा हो, एसएससी सीजीएल परीक्षा हो या फिर आईएएस/ पीएससी परीक्षाएं हों। जब बात प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की होती है, तो विद्यार्थियों के सामने एक दुविधा यह पेश आती है कि वे किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट से पढ़ाई करें या फिर ऑनलाइन कोचिंग का सहारा लें। स्थिति इस बात से और जटिल हो जाती है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने का कोई एक रास्ता ही नहीं होता। जहां कुछ युवा कोचिंग इंस्टीट्यूट्स में पढ़कर परीक्षा क्रैक कर देते हैं, वहीं कुछ अन्य युवा ऑनलाइन पढ़ाई करके सफलता पा लेते हैं। ऐसे में यह हर परीक्षार्थी पर निर्भर करता है कि वह अपने लिए कौन-सा रास्ता चुनता है। कोचिंग इंस्टीट्यूट और ऑनलाइन पढ़ाई दोनों के ही सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्ष हैं। आपको चाहिए कि आप इन दोनों पक्षों को तौलकर फैसला करें कि आपके लिए कौन-सा रास्ता मुफीद रहेगा। तो चलिए, इन दोनों ही रास्तों के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर नजर दौड़ाते हैं।

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स

परंपरागत तौर पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने में कोचिंग इंस्टीट्यूट्स अग्रणी रहे हैं। यहां तक कि कोचिंग उद्योग अपने आप में एक बेहद सफल और कमाऊ उद्योग बन गया है। बड़े से लेकर छोटे शहरों तक में कोचिंग संस्थानों की बहार है। जहां कई विद्यार्थी इन संस्थानों की कोचिंग का लाभ लेकर विभिन्न परीक्षाओं में टॉप करते आए हैं, वहीं ऐसे भी विद्यार्थी हैं, जिन्होंने कोचिंग इंस्टीट्यूट्स पर भारी खर्च किया मगर नतीजा सिफर ही रहा।

मार्गदर्शन

किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट में जाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि वहां आपको शिक्षकों का मार्गदर्शन और मेंटरशिप मिलती है। इन संस्थानों में नियुक्त किए जाने वाले शिक्षकों के पास प्रतियोगी परीक्षाओं संबंधी व्यापक अनुभव और ज्ञान होता है। इसलिए वे विद्यार्थियों के हुनर को मांजकर और उनकी कमजोरियों को ताकत में बदलकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सही राह दिखाने में सक्षम होते हैं।

स्टडी मटेरियल

कोचिंग क्लासेज में पैकेज के तहत जो स्टडी मटेरियल उपलब्ध कराया जाता है, वह विशेषज्ञों द्वारा एग्जाम पैटर्न और संपूर्ण सिलेबस के गहराई से अध्ययन के बाद तैयार किया जाता है। इसलिए इस मटेरियल में परीक्षा में महत्व के अनुसार टॉपिक्स कवर किए जाने की अधिक संभावना रहती है।

टाइम मैनेजमेंट, अनुशासन

जो उम्मीदवार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अभी नए हैं, उनके लिए समय प्रबंधन करना और पढ़ाई के मामले में अनुशासन का पालन करना जरा कठिन होता है। फिर यह भी है कि कई युवा अपनी अकादमिक पढ़ाई के साथ-साथ या फिर जॉब के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। ऐसे युवा यदि कोचिंग इंस्टीट्यूट जॉइन करते हैं, तो यह सुनिश्चित हो जाता है कि वे अपनी तैयारी के लिए एक निश्चित समय और प्रयास हर हाल में देते ही हैं।

ऑनलाइन तैयारी के फायदे

ऑनलाइन पढ़ाई का सबसे बड़ा फायदा यही होता है कि यह उम्मीदवारों में सेल्फ स्टडी को बढ़ावा देती है। कई जानकार मानते हैं कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सेल्फ स्टडी ही श्रेष्ठ होती है। इससे परीक्षार्थी अपनी सुविधा और जरूरत के अनुसार तैयारी की रणनीति बनाता है। साथ ही एक फायदा यह है कि इससे हर परीक्षार्थी अपनी ताकत और कमजोरी को अच्छी तरह पहचान पाता है।

जहां तक स्टडी मटेरियल का सवाल है, ऑनलाइन जगत में इसकी कोई कमी नहीं है। यहां आपको कोचिंग इंस्टीट्यूट्स तथा स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया बेहतरीन स्टडी मटेरियल मिल जाएगा। यही नहीं, यह मटेरियल अलग-अलग फॉर्मेट में उपलब्ध होता है, जिससे परीक्षार्थी के पास अपनी जरूरत के मुताबिक चुनने के लिए विकल्प रहते हैं।

ऑनलाइन तैयारी का एक और फायदा होता है इसका किफायती होना। कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के मुकाबले ऑनलाइन शिक्षा संसाधन कहीं कम दामों पर उपलब्ध होते हैं। कुछ संसाधन तो निशुल्क उपलब्ध होते हैं। यही नहीं, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आपके पास यह विकल्प भी होता है कि आप चाहें, तो केवल उतना ही स्टडी मटेरियल, क्वेश्चन पेपर, ऑनलाइन वीडियो आदि खरीदें, जितने की आपको जरूरत है। इस प्रकार भी आपके पैसे की बचत हो सकती है।

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के नुकसान

कमतर शिक्षण स्तर

कोचिंग इंसटीट्यूट्स की अक्सर इस बात के लिए आलोचना की जाती है कि इनमें से कई में शिक्षण का स्तर कमतर होता है। कई कोचिंग संस्थान ऐसे लोगों को अपने यहां पढ़ाने के लिए रख लेते हैं, जो स्वयं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल नहीं हो पाए। ऐसे लोगों के पास भले ही प्रतियोगी परीक्षाओं संबंधी जानकारी और अनुभव हो पर यह कतई जरूरी नहीं कि वे अच्छे शिक्षक भी होंगे। सही टीचिंग तकनीक भी जरूरी होती है।

स्टडी मटेरियल की गुणवत्ता

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स का स्टडी मटेरियल परीक्षा के पैटर्न के लिहाज से प्रभावी तो होता है मगर अक्सर कोचिंग संस्थान जो मटेरियल प्रदान करते हैं, वह कालातीत (आउटडेटेड) और परंपरावादी होता है। इधर प्रतियोगी परीक्षाएं साल-दर-साल अधिक कठिन होती जा रही हैं और इनके पैटर्न में बार-बार परिवर्तन हो रहे हैं। ऐसे में पुराने ट्रैंड के अनुसार तैयार किया गया स्टडी मटेरियल परीक्षार्थियों के किसी काम का नहीं रहता।

व्यक्तिगत ध्यान नहीं

कोचिंग संस्थान तगड़ी फीस तो लेते हैं मगर वे क्लासरूम फॉर्मेट में ही काम करते हैं। एक क्लास में जितने अधक विद्यार्थी हों, संस्थान का उतना ही लाभ होता है। ऐसे में कई संस्थान एक-एक क्लास में ढेरों विद्यार्थियों को ठूंस देते हैं। इस कारण विद्यार्थियों की ओर व्यक्तिगत ध्यान देना संभव नहीं रहता।

ऑनलाइन तैयारी

ऑनलाइन एजुकेशन कोचिंग की परंपरा के मुकाबले काफी नया है। आज लिखित स्टडी मटेरियल और ऑडियो-वीडियो संसाधन दोनों ही के रूप में विभिन्ना परीक्षाओं की तैयारी के लिए भरपूर सहायता ऑनलाइन उपलब्ध है। यही कारण है कि ऐसे युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी ऑनलाइन करना पसंद करते हैं।

ऑनलाइन तैयारी के नुकसान

सीमित पहुंच

ऑनलाइन तैयारी की सबसे बड़ी खामी है इसकी सीमित पहुंच। काफी विस्तार के बावजूद आज भी हमारे देश के कई दूर-दराज हिस्सों में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध नहीं है। जहां है, वहां भी अक्सर नेटवर्क की समस्या बनी रहती है। ऐसे में दूर- दराज के छोटे शहरों व गांवों में रहने वाले युवाओं के लिए तो यह पढ़ाई का विश्वसनीय स्रोत नहीं हो सकता।

मेंटरशिप का अभाव

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आपको बेहतरीन स्टडी मटेरियल तो मिल सकता है लेकिन यहां मेंटरशिप की कमी बहुत खलती है। किसी ट्यूटर की ओर से व्यक्तिगत ध्यान न मिल पाने के कारण उम्मीदवार अक्सर किसी क्लिष्ट कॉन्सेप्ट को लेकर भ्रमित नजर आते हैं। अपने डाउट क्लियर करने के लिए उनके पास कोई नहीं होता। ऑनलाइन तैयारी में आपको अनुभवी ट्यूटर्स के अनुभव का लाभ नहीं मिल पाता।

जानकारी की बाढ़

इंटरनेट पर दुनिया भर का ज्ञान उपलब्ध है मगर कभी-कभी इसकी यही खासियत इसकी खामी बन जाती है। जब आप यहां कोई खास जानकारी तलाशते हैं, तो आपके पास जरूरी के साथ-साथ बहुत-सी गैर-जरूरी जानकारी की बाढ़ आ जाती है। जानकारी की यह अति परीक्षा की तैयारी में बाधा ही डालती है, जबकि आपको फोकस्ड पढ़ाई करने की जरूरत होती है।

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

गेम डिजाइनिंग का कोर्स करें मिलेगा कॅरियर ग्रोथ

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी ऐसे कोर्स की तलाश में हैं, जहां पर आपके कॅरियर ग्रोथ के साथ अच्छा पैसा कमा सकें। तो बता दें कि आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक बेहतरीन कॅरियर आप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गेमिंग इंडस्ट्री के बारे में जरूरी जानकारी देने जा रहे हैं।

बता दें कि इस फील्ड में आने के बाद आपको किस तरह का कॅरियर ग्रोथ मिलेगा। इस फील्ड में आने के लिए क्या क्वालिफिकेशन चाहिए होती है, इन सारे सवालों के जवाब आपको इस आर्टिकल में मिलेंगे। ऐसे में अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। वर्तमान समय की बात करें तो देश में गेमिंग इंडस्ट्री में 50,000 से ज्यादा लोग फुल टाइम वर्क कर रहे हैं। जिसमें से 30 फीसदी लोग प्रोग्रामर और डेवलपर के तौर पर काम कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह फील्ड 20-30 प्रतिशत की दर से ग्रोथ करेगा। वहीं इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

गेम डिजाइनर

गेम डिजाइनर गेम के कैरेक्टर्स, गेम के लेवल के अलावा तमाम बारीकियों को ध्यान में रखकर उसे इंट्रेस्टिंग बनाने पर फोकस करते हैं। वहीं गेम राइटर डायग्राम आदि बनाकर उसके अलग-अलग वर्जन को तैयार करते हैं। गेम डिजाइनर को टेक्निकल नॉलेज होने के साथ ही सोच में क्रिएटिविटी भी होनी चाहिए। गेम तैयार करने के लिए उसकी डिजाइन, डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स और अन्य प्रोफेशनल की टीम एक साथ वर्क करती है।

क्वालिफिकेशन

- छात्र ने साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास किया हो।
- कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर की नॉलेज होना जरूरी होता है।
- गेम डिजाइनर बनने के लिए आपकी इंग्लिश भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है।
- इस फील्ड में आप गेम डिजाइनिंग, गेम डेवलपिंग, आर्ट, एनिमेशन, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर ग्राफिक्स, इलस्ट्रेशन या मार्केटिंग में बैचलर डिग्री या पेशेवर सर्टिफिकेशन कोर्स कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

- गेमिंग फील्ड में कॅरियर बनाने वाले स्टूडेंट्स के पास कैरेक्टर डिजाइन, एनिमेशन, कांसेप्ट आर्ट और विजुअल इफेक्ट की जानकारी होनी चाहिए।
- इस फील्ड में 2 डी गेम डेवलपर्स, 3 डी गेम डेवलपर्स और जावा आदि में अपार संभावनाएं हैं।
- इस फील्ड में डिजाइनिंग के साथ 2डी सॉफ्टवेयर और 3डी मॉड्यूलिंग की नॉलेज होना बहुत जरूरी है।
- ऑडियो इंजीनियर के लिए युवाओं के पास साउंड इंजीनियरिंग और अन्य लैंग्वेज की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

जॉब प्रोफाइल

इस फील्ड में युवा एनिमेटर, क्यूएक टेस्टर, ऑडियो इंजीनियर, गेम डिजाइनर, गेम डेवलपर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोड्यूसर, मैनेजर्स, कास्टर्स, ईस्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसर्स के तौर पर अपना कॅरियर बना सकते हैं।

सैलरी

इस क्षेत्र में अपना कॅरियर शुरू करने पर आपको 3 से 5 लाख रुपये सालाना की नौकरी आसानी से मिल जाती है। वहीं एक्सपीरियंस बढ़ने पर सालाना 13 से 15 लाख तक का भी पैकेज उठा सकते हैं। बता दें कि गेम प्रोड्यूसर इस फील्ड में सालाना 10 लाख रुपए तक कमा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर, बेलतरा के बीच भाजपाई राजनीति में यह क्या पक रहा है

बिलासपुर (समय दर्शन। खेल और ईद ने बिलासपुर शहर की भाजपाई राजनीति की बदली तस्वीर पेश की है। ईद के दिन ईदगाह चौक पर केवल एक बैनर लगा और वह भी बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला का, 21 तारीख से ही शहर में लखीराम स्मृति क्रिकेट का आयोजन हो रहा है तो इसके बैनर जगह-जगह देखे जा सकते हैं। पोस्ट पर शहर विधायक अमर अग्रवाल, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, और डिप्टी सीएम अरुण साव के अलावा केवल महापौर का फोटो है। ईदगाह चौक पर बेलतरा विधायक का पोस्टर अपने आप में बहुत से संदेश देता है। कुछ ही दिन पूर्व विष्णु कैबिनेट के मंत्री रामविचार नेताम ने कहा था बिलासपुर विधायक की कुर्सी खतरे में है। विधायक बेलतरा की छवि जूदेव, अनुराग ठाकुर, योगी जैसे चेहरों को दिखाकर बनती है। उन्हें अपने अभी तक के राजनीतिक जीवन में समन्वयवादी राजनीति के स्थान पर हिंदुत्व की राजनीति को ही पकाया। ऐसे में ईदगाह चौक पर लगा पोस्टर उनके राजनीति में यू टर्न को तो नहीं दिखता... ?

जबकि इसके पहले ईद के मौके पर शहर विधायक के पोस्टर सामान्य बात थे पर इस बार उनका एक भी पोस्टर नहीं दिखा। क्रिकेट लीग के पोस्टर पर बिलासपुर के तीन नेता विधायक, डिप्टी सीएम और केंद्र के राज्य मंत्री सामान्य प्लस ओबीसी की नई राजनीति की ओर इशारा है। इन पोस्टर के अलावा कुछ दिन पूर्व हुए दो कार्यक्रम को याद करें। अटल विश्वविद्यालय का दिशांत समारोह और वंदे भारत यात्रा में विधायक बेलतरा के साथ हुई घटना और दोनों घटना पर विधायक का चुप रहना और अब ईद के मौके पर बेलतरा क्षेत्र के अतिरिक्त बिलासपुर विधानसभा के ईदगाह चौक पर ईद की शुभकामनाओं पर उनका चेहरा दिख रहा है कि बिलासपुर और बेलतरा के बीच बिलासपुर की राजनीति में ओवन की आंच धीरे-धीरे बढ़ रही है

कोटा-लोरमी-पंडरिया सड़क के लिए 84.89 करोड़ स्वीकृत

मार्ग के 11 किमी सड़क का होगा मजबूतीकरण और उन्नयन

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद प्रशासकीय स्वीकृति का पत्र जारी

मुंगेली(समय दर्शन)राज्य शासन ने मुंगेली जिले में कोटा-लोरमी-पंडरिया राज्य मार्ग के लिए 84 करोड़ 89 लाख 35 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। इस राशि से केन्द्रीय सड़क निधि (छ्त्रक्कस्न) योजनांतर्गत पुल-पुलियों के निर्माण के साथ ही 11 किमी सड़क का मजबूतीकरण और उन्नयन किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने मंत्रालय से राशि स्वीकृति के संबंध में प्रमुख अभियंता को परिपत्र जारी कर दिया है। श्री साव ने कार्य में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्रियों एवं संपूर्ण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। किसी भी स्तर पर कार्य की गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर उत्तरदायित्व का निर्धारण करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। लोक निर्माण विभाग ने प्रमुख अभियंता को कार्य की निविदा समय-सीमा में करने, निर्माण कार्य प्राक्कलन व कार्य संपादित करने में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने निर्माण एजेंसी से अनुबंधित समय-सीमा में काम पूर्ण किया जाना सुनिश्चित कराने को कहा है। कार्य पूर्ण किये जाने के लिए अनावश्यक समय-सीमा वृद्धि नहीं किए जाने के भी निर्देश विभाग ने दिए हैं। अपरिहार्य एवं नियंत्रण से बाहर मान्य कारणों के आधार पर ही सक्षम अधिकारी द्वारा समय-सीमा में वृद्धि की जा सकेगी।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम

सुकमा। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत सुकमा जिले में बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह आयोजन कलेक्टर अमित कुमार एवं जिला पंचायत सीईओ मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें जिलेभर से नवसाक्षरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिले के तीनों विकासखंडों—सुकमा, कोंटा और छिंदगढ़—में कुल 520 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए थे। इनमें सुकमा में 167, कोंटा में 128 तथा छिंदगढ़ में 225 केंद्र शामिल रहे। विशेष पहल के तहत जिला जेल एवं पुनर्वास केंद्रों में भी परीक्षा आयोजित कर शिक्षा की अलख को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

बिजली बिल बकायादारों को बड़ी राहत, समाधान योजना से मिल रही भारी छूट

शिविरों के माध्यम से वार्डों एवं ग्राम पंचायतों में पहुंच रही योजना, हजारों उपभोक्ता हो रहे लाभान्वित

मुंगेली(समय दर्शन) राज्य शासन द्वारा लागू मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 के अंतर्गत जिले के विद्युत उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल में बड़ी राहत प्रदान की जा रही है। इस योजना का शुभारंभ 12 मार्च 2026 को किया गया है, जिसका उद्देश्य लंबित बिजली बिलों के भुगतान को आसान बनाना एवं उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत देना है। योजना के तहत बीपीएल, घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को बकाया राशि में उल्लेखनीय छूट दी जा रही है। बीपीएल उपभोक्ताओं को मूल राशि में 75 प्रतिशत तक तथा अधिभार में 100 प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी। वहीं घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को मूल राशि में 50 प्रतिशत तथा अधिभार में पूर्ण 100 प्रतिशत छूट का लाभ मिलेगा।

इसके अतिरिक्त, 31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं को अवधि के आधार पर भी छूट का प्रावधान किया गया है। 5 वर्ष से अधिक अवधि वाले बकायों पर 75 प्रतिशत तक तथा 1 से 5 वर्ष तक के बकायों पर 50 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी, साथ ही अधिभार पूर्णतः माफरहेगा। योजना में भुगतान के लिए लचीले विकल्प भी दिए गए हैं। उपभोक्ता एकमुश्त भुगतान करने पर अतिरिक्त लाभ प्राप्त कर सकते हैं, वहीं किश्तों में भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है। पंजीकरण के समय निर्धारित प्रतिशत राशि जमा कर योजना का लाभ लिया जा सकता है। विद्युत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मुंगेली जिले के तीनों विकासखंडों में सक्रिय रूप से कार्य करते हुए वार्डों एवं ग्राम पंचायतों में शिविरों के माध्यम से उपभोक्ताओं को योजना का लाभ प्रदान कर रहे हैं, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक इस योजना की पहुंच सुनिश्चित हो रही है।

योजना का लाभ लेकर कई उपभोक्ताओं ने राहत महसूस की है, इनमें जिले के देवांगन समाज भवन का 24 हजार से अधिक का बकाया था। समाज के अध्यक्ष आनंद देवांगन ने बताया कि योजना के तहत उन्हें 08 हजार से अधिक की छूट मिली। इसी तरह राजेंद्र वार्ड निवासी मकबूल खान का 44 हजार से अधिक का बकाया था, जिसमें उन्हें 18 हजार से अधिक की छूट प्राप्त हुई। ग्राम करही निवासी आनंद मोहले का 39 हजार से अधिक का बकाया था, जिसमें उन्हें 16 हजार से अधिक की छूट मिली। सरदार पटेल वार्ड निवासी मथुरा प्रसाद पटेल का 42 हजार से अधिक का बकाया था, जिसमें 14 हजार से अधिक की राहत मिली। सोनवरी निवासी भूषण कुमार का 35 हजार से अधिक का बकाया था, जिसमें उन्हें 16 हजार से अधिक की छूट का लाभ मिला। सभी हितग्राहियों ने योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

असली मार्केट क्रैश के बीच तेजी से सक्रिय हो रहे हैं आभासी मुद्रा के ठग

बिलासपुर। 2 दिन की छुट्टी के बाद आज जब शेयर मार्केट खुला तो अभी तक निवेशकों का 8 लाख करोड रुपए डूब चुका था। शेयर मार्केट से हटकर एक समय छप्पर फाड़ कमाई देने वाला क्रिप्टो बाजार का भी बुरा हाल है। इथेरियम , बिटकॉइन जैसी आवासीय मुद्रा में भी पांच प्रतिशत की गिरावट देखी जा रही है। इन सब के बीच लोकल ठगी का व्यापार तेजी से हो रहा है। यदि आपके कान कुछ शब्दों को पकड़ना जानते हैं कुछ शब्दों को पकड़ना जानते हैं तो, आवासीय मुद्रा बाजार में चल रहे ठगी के जाल को आप आसानी से समझ सकते हैं।

किसी भी रेस्टोरेंट की इस टेबल जहां पर 4 से 5 लोग बैठे हैं, एक कागज पेन और एक बड़ा सा मोबाइल और बार-बार डाउन लाइन अप लाइन लेफ्ट राइट पुणे, थाईलैंड जैसे शब्द आ रहे हो समझ जाइए की क्रिप्टो की ठगी का बाजार लगा है। इन्हीं सूत्रों के मुताबिक इस समय यह पूरा बाजार ग्रामीण क्षेत्र में सक्रिय है। क्योंकि आसान पैसे के जाल में वहां पर चार डालकर फसाना आसान है। और लोग आसानी से फैंस भी रहे हैं। मीटिंग इस जय घोष के साथ खत्म होती है की डरना नहीं है बाजार की हालत का लाभ कैसे उठाया जाए बताकर ग्रामीण क्षेत्रों की ओर निकालना है। और अब नए डाउनलाइन ग्रामीण क्षेत्र में ही बनाने हैं यह वाक्य इशारा करते हैं कि अब इन एजेंटों के ठिए मुंगेली, जांजगीर चांपा, पेंड्रा रोड, बलौदा बाजार जैसे जिला मुख्यालय हो रहे हैं। क्योंकि इन जिला मुख्यालय में सामान्य काम चलाओ होटल मिल जाती है और फिर ब्लॉक स्तर पर शॉर्टकट कमाई के लिए डाउनलाइन बन जाती है। फिलहाल नीचे के स्तर पर ट्रेड कैफे, मिंट, पोलकेडो जैसे नाम लिए जा रहे हैं और पिछले कुछ दिनों में छत्तीसगढ़ का बहुत सा मार्केट लीडर पुणा में तीन दिन बिता कर आया है।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर लड़कियों से मारपीट, 4 आरोपी गिरफ्तार

कोसीर थाना क्षेत्र का मामला, आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर भेजा गया

सारंगढ़-बिलाईगढ़ - जिले के कोसीर थाना क्षेत्र में छेड़छाड़ का मामले सामने आया हैं जिसमे कोसीर पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है
प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक युवती ने थाना कोसीर में लिखित शिकायत दर्ज कराई कि 18 मार्च 2026 की शाम उसकी दो बहनें (दोनों नाबालिग) कोसीर चौक की ओर जा रही थीं। इसी दौरान गांव के कुछ युवक वहां बैठे थे, जिन्होंने लड़कियों पर अश्लील टिप्पणी करते हुए छेड़छाड़ करने की कोशिश की। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिले
जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय ने ऐसे मामले मे त्वरित कार्यवाही करने का निर्देश किया जिसमे अति0 पुलिस अधीक्षक निमिषा पाण्डेय एव एसडीओपी स्नेहिल साहू मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सुनीता नाग बंजारे ने त्वरित कार्यवाही का निर्देश दिया गया जिसमे आपको बता दे घटना के बाद लड़कियां वहां से किसी तरह घर लौट आईं और पूरी घटना अपने परिजनों को बताई। इसके बाद 20 मार्च की रात करीब 8 बजे पीड़ित परिवार आरोपियों के घर शिकायत करने पहुंचा। इस दौरान आरोपियों और उनके परिजनों ने गाली-गलौज करते हुए दोनों लड़कियों और उनके परिजनों के साथ मारपीट कर दी। मारपीट में लड़कियों को चोटें आईं, जिनका इलाज जिला अस्पताल में कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने इस पुरे मामले मे 4 आरोपियों श्रुति लाल पटेल, विजय पटेल,लल्ले पटेल, भोको उर्फ़हीरालाल पटेल आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा घटना स्वीकार किए जाने पर 21 मार्च 2026 को चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और उन्हें जेल भेजा गया सम्पूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सुनीता नाग बंजारे ,प्रधान आरक्षक चंद्रपाल महंत, आरक्षक अमित दिव्य, प्रदीप रात्रे,धनसाय कुर्रे,गोपाल साहु का विशेष योगदान रहा ।

उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत महापरीक्षा आयोजित

277 केन्द्रों में हजारों शिक्षार्थी हुए शामिल

मुंगेली(समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अन्तर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत कुल 13 हजार 623 असाक्षरों का पंजीयन किया गया था, जिनमें से 07 हजार 948 शिक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इनमें 05 हजार 902 महिलाएं और 02 हजार 46 पुरुष शामिल हैं। यह आंकड़ा जिले में साक्षरता के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। यह परीक्षा जिले के 277 परीक्षा केन्द्रों में संपन्न हुई। इस बार एक विशेष पहल के तहत जिला उप जेल करही देवरी में भी 15 विचाराधीन बंदियों को साक्षरता कार्यक्रम से जोड़ा गया, जिनमें से 13 बंदियों ने परीक्षा दी। परीक्षा की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी एल.पी. डाहिरे, जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा अशोक सोनी तथा जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता मिशन रविन्द्र तिवारी सहित निरीक्षण दल द्वारा परीक्षा केन्द्रों के साथ-साथ स्कूल भवन, शौचालय एवं साफ-सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया। प्राथमिक शाला फंदवानी एवं बाघामुड़ा में स्वच्छता व्यवस्था में कमी पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई गई।

जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि उल्लास कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को भी साक्षरता अभियान से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों द्वारा अपने आसपास के 10 असाक्षरों को साक्षर करने पर बोर्ड परीक्षा में 10 बोनस अंक देने का प्रावधान है। इस वर्ष जिले से कक्षा 10वीं के 43 एवं 12वीं के 56, कुल 99 विद्यार्थियों के लिए बोनस अंक हेतु प्रस्ताव बोर्ड को भेजा गया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

छोटे से गांव से सैनिक स्कूल अंबिकापुर तक का सफर

सैनिक स्कूल में चयन से बढ़ा सरकारी स्कूल का मान सम्मान

शिक्षिका अंजना सिंह की रोज की अतिरिक्त क्लास और मॉक टेस्ट से ही सफलता मिली

अहिवारा। शिक्षिका ने चर्चा के दौरान बताया कि गांव में हर कदम पर प्रतिभा है ,बस सही मार्गदर्शन और मेहनत के ज़रिए उन्हें निखारना चाहिए ।

साधारण परिवार के बच्चे भी सफलता पा सकते हैं द्य गाँव में पढ़ाई के लिए साधनों की कमी एवं विपरीत माहौल एवं बहुत ही सीमित संसाधन के बावजूद भी गांव के बच्चे अब देश की कई बड़ी प्रतियोगिताओं में लगातार सफलता हासिल करते दिखाई दे रहे हैं द्य ऐसे में दुर्ग जिले के धमधा विकासखंड के एक छोटे से सरकारी स्कूल सेजस जंजगीरी में सैनिक स्कूल की प्रतियोगी परीक्षा में कक्षा आठवीं के छात्र लाभेश गुप्ता ने विशेष रूप से सफलता हासिल की है ,उनका चयन सैनिक स्कूल अंबिकापुर के लिए हुआ है , साथ ही उन्हें न्यू सैनिक स्कूलों में भी मौका दिया जाएगा द्य उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय शिक्षिका अंजना सिंह को दिया है उन्होंने बताया कि मैडम एक्स्ट्रा क्लास लेती है एवं बच्चों को मैथ्स के शार्ट ट्रिक देती हैं जिसके कारण प्रतियोगिता में उन्हें सफलता हाथ लगी है द्य उनका यही मानना है की प्रतियोगी परीक्षाएं ज्यादा कठिन तो नहीं होती लेकिन टाइम मैनेजमेंट का बहुत बड़ा हाथ होता है यदि समय पर प्रश्न हल नहीं हुए तो फिर आती हुई सफलता भी हाथ से निकल जाती है इसलिए मैडम के दिए गए शार्ट ट्रिक उनके बहुत काम आए द्य उसी के कारण उनका चयन स्थिति होगी परीक्षा में हुआ है जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद मिश्राजी एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री अथर्व शर्मा बीआरसी श्री केशव पटेल ,ए बी ईओ श्री बेणीराम वर्मा श्री कैलाश साहू संगीता देवांगन एवम संस्था प्रमुख श्रीमती मिनी गोपीनाथन एवं समस्त शाला परिवार मैं इस मौके पर शिक्षिका एवं छात्र को बधाई प्रेषित की है भविष्य में भी उनसे इसी तरह सफलता के नए आयाम करने की इच्छा भी जाहिर की गई है

खबर का असर: भालुपानी गाँव में गूँजी राहत की किलकारियां, कलेक्टर के निर्देश पर शुरू हुआ बोर खनन

सारंगढ़ बिलाईगढ़-टारजन महेश (समय दर्शन) पत्रकारिता की ताकत और प्रशासन की संवेदनशीलता का एक शानदार उदाहरण सारंगढ़ के वनांचल क्षेत्र भालुपानी गाँव में देखने को मिला है। गाँव में व्याप्त जल संकट को लेकर प्रकाशित खबरों का असर हुआ और अब ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल की सौगात मिलने जा रही है।

क्या थी समस्या- सारंगढ़ मुख्यालय से लगभग 15-20 किलोमीटर दूर स्थित वनांचल ग्राम भालुपानी में ग्रामीण लंबे समय से भीषण जल संकट से जूझ रहे थे। स्थिति इतनी विकट थी कि ग्रामीणों को अपनी प्यास बुझाने के लिए दूषित कुएँ के पानी पर निर्भर रहना पड़ रहा था, जो स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद खतरनाक था।

मीडिया की खबर पर जागा प्रशासन- ग्रामीणों की इस पीड़ा को विभिन्न समाचार पत्रों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और वेब पोर्टलों ने प्रमुखता से उठाया। खबरों के माध्यम से जब यह मामला संवेदनशील कलेक्टर डॉ. कनौजे के संज्ञान में आया, तो उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए क्क॥श्व विभाग के अधिकारियों को तत्काल शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।

धरातल पर दिखी कार्रवाई- कलेक्टर के निर्देश मिलते ही क्क॥श्व विभाग हरकत में आया। आज सुबह ही विभाग की टीम भारी मशीनरी (गाड़ी) के साथ भालुपानी गाँव पहुँची।

हैंडपंप की मरम्मत: गाँव में मौजूद खराब हैंडपंप को तुरंत सुधारा गया ताकि अस्थायी रूप से पानी की समस्या कम हो सके।

बोर खनन शुरू: शुद्ध पेयजल के स्थायी समाधान के लिए विभाग द्वारा बोर खनन का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है।

ग्रामीणों के चेहरे पर लौटी मुस्कान- प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई से भालुपानी के ग्रामीणों में खुशी की लहर है। वर्षों से पानी के लिए संघर्ष कर रहे ग्रामीण अब राहत की सांस ले रहे हैं। ग्रामीणों ने इस समस्या को उठाने के लिए मीडिया का आभार जताया और त्वरित संज्ञान लेने के लिए कलेक्टर डॉ. कनौजे को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

खबर-खास

कवर्धा वनमंडल ने तेंदुआ खाल के साथ पांच आरोपियों को पकड़ा

कवर्धा (समय दर्शन)। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग कवर्धा वनमंडल ने वन्यजीव अपराध के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए दो नग तेंदुआ खाल व अन्य अवैध सामग्री जप्त कर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो, भोपाल (भारत सरकार) एवं राज्य स्तरीय उड़नदस्ता दल, रायपुर (छत्तीसगढ़) की सूचना के आधार पर गठित संयुक्त जांच समिति, जिसमें कवर्धा वनमंडल के क्षेत्रीय अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल थे, द्वारा तरेगांव के ग्राम गुडली एवं कवर्धा परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम चोरभट्टी में कार्रवाई की गई। इस दौरान वनमंडलाधिकारी, कवर्धा ने बताया कि दिनांक 20 मार्च 26 को अवैध तेंदुआ खाल रखे जाने की सूचना पर संयुक्त टीम ने दबिश दी और आरोपियों के कब्जे से दो नग तेंदुआ खाल, हड्डी, नाखून आदि जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में संतराम धुर्वे पिता बिहारी धुर्वे, ग्राम चोरभट्टी, सुखराम मेरावी पिता बुधारी मेरावी ग्राम गुडली, अघनू पिता भागुराम धुर्वे, आमानारा, सहैततर पिता तिरिथ राम मरकाम सिंघारी, कनस टेकाम पिता इतवारी ग्राम बेन्दा शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में पूछताछ के दौरान आरोपियों के द्वारा तेंदुआ खाल को पूजा-पाठ एवं अन्य तांत्रिकी गतिविधियों में उपयोग में लाए जाने की बात स्वीकार की गई। प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 9, 39, 44, 50, 51 एवं 52 के तहत वन अपराध क्रमांक 20730/17 दिनांक 20.03.2026 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है तथा माननीय न्यायालय ने उन्हें रिमांड पर जेल भेज दिया है।

गुरुकुल का प्रथम उद्देश्य है विद्यार्थियों को संस्कारवान बनाना - मनोज राय

कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के एक न्यूज चैनल द्वारा वीर सावरकर भवन सभागार कवर्धा में जिला चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय शर्मा, उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन, विशिष्ट अतिथि संतोष पाण्डेय सांसद राजनांदगांव तथा श्रीमती भावना वोहरा थे। जिले के विभिन्न पहलुओं पर कल, आज और कल की पृष्ठभूमि पर प्रस्तोता के द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट गणमान्य से साक्षात्कार के माध्यम से परिचर्चा की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम शिक्षा संबंधी सत्र हुआ जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी सहित गुरुकुल पब्लिक स्कूल, रामकृष्ण पब्लिक स्कूल, अभ्युदय स्कूल के प्राचार्य तथा अशोका पब्लिक स्कूल के निदेशक मंचासीन रहे। इन विद्यालय प्रमुखों से प्रस्तोता ने शिक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचार जानना चाहा। सभी के द्वारा विद्वता पूर्ण तरीके से विचार साझा किया गया। मीडिया प्रभारी पीजीटी हिंदी डॉक्टर विजय कुमार शाही ने बताया कि गुरुकुल पब्लिक स्कूल के प्राचार्य मनोज कुमार राय से प्रस्तोता के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में गुरुकुल के योगदान संबंधित प्रश्न के उत्तर में प्राचार्य राय ने कहा कि गुरुकुल विद्यार्थियों को मात्र पुस्तकीय तौर पर शिक्षित ही नहीं करता अपितु उनमें संस्कार के बीज का रोपण कर सच्चा इंसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गणित के प्रति विद्यार्थियों में घटती रुचि के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि बच्चे गणित के कॉन्सेप्ट को समझने में विफल हो रहे हैं, इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। दर्शकों ने करतल ध्वनि के साथ प्राचार्य के विचार का समर्थन किया। इस कार्यक्रम में दर्शकों के रूप में गुरुकुल के विद्यार्थियों के साथ शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी भाग लिया। संस्था के अध्यक्ष तथा अन्य पदाधिकारीगण ने चौपाल में गुरुकुल के द्वारा अपना पक्ष सशक्त ढंग से रखने के कारण संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुकुल सदैव ही शैक्षणिक क्षेत्र में अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील है और रहेगा।

संत महात्माओं की धरा और श्रीराम के ननिहाल को विकसित और समृद्ध बनाने संकल्पित है सरकार- विष्णुदेव

वीरांगना अवंतीबाई लोधी के 168 वें बलिदान दिवस कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने सामुदायिक भवन के लिए 50 लाख, यज्ञशाला के लिए 20 लाख तथा मिनी स्टेडियम निर्माण की घोषणा की

कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ संत-महात्माओं की पुण्य भूमि और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है, जिसे विकसित और समृद्ध बनाना राज्य सरकार का संकल्प है। शांति, सुरक्षा, खुशहाली और सुशासन के मूल मंत्र के साथ 3 करोड़ प्रदेशवासियों की खुशहाली हमारा ध्येय है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 22 मार्च को जिले के ग्राम सेमरिया में वीरांगना अवंतीबाई लोधी के 168 में बलिदान दिवस कार्यक्रम में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री साय ने वीरांगना अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें नमन किया। उन्होने सेमरिया के साथ कुम्हार दनिया, गोछिया, भाटकुंडेरा, दनिया खुर्द एवं दानी घाटोली सहित कुल 6 ग्रामों में लगने वाली प्रतिमाओं का लोकार्पण भी किया और सामुदायिक भवन, मिनी स्टेडियम और यज्ञशाला निर्माण की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वीरांगना अवंतीबाई लोधी का जीवन साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अमिट मिसाल है। उन्होंने सीमित संसाधनों और छोटी सेना के बावजूद अंग्रेजों के खिलाफ अदम्य साहस के साथ संघर्ष किया और देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। ऐसी महान विभूति से हमें प्रेरणा लेकर अपने जीवन में राष्ट्रसेवा और समाजहित के मूल्यों को अपनाना चाहिए। उन्होंने लोधी समाज की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज ऐतिहासिक रूप से वीरता, नैतिकता और राष्ट्रसेवा के लिए जाना जाता है। स्वतंत्रता संग्राम में इस समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है और आज भी यह समाज देश और प्रदेश के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज की नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास से अवगत कराना आवश्यक है, ताकि वे उसी परंपरा को आगे बढ़ा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हजारों लोगों को आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, होली से पूर्व अंतर की राशि का भुगतान, 'महतारी वंदन योजना' के माध्यम से प्रदेश की 70 लाख से अधिक महिलाओं को हर महीने 1 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी गई है। अब तक 25 किश्तों के माध्यम से 16 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। इससे मातृशक्ति आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही है।

श्री साय ने आगे कहा कि प्रदेश में आस्था और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 'रामलला दर्शन योजना' संचालित है, जिसके तहत अब तक 42 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या जाकर भगवान श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं। इसके साथ ही युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए बस्तर और सरगुजा में ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच मिल रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कवर्धा के वार्ड क्रमांक 26 में सामाजिक भवन निर्माण के लिए 50 लाख रुपए, खेल के क्षेत्र में प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने मिनी स्टेडियम के निर्माण तथा यज्ञशाला के निर्माण के लिए 20 लाख रुपए दिए जाने की घोषणा की। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि रानी अवंती बाई लोधी ने अंग्रेजों से जिस बहादुरी से लोहा लिया था ऐसी वीरांगना की प्रतिमा का अनावरण किया गया, जो युवा पीढ़ी को प्रेरणा देगी। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि नशे व्यसन इत्यादि से दूर रहते हुए अपने भविष्य निर्माण पर पूरी ऊर्जा केंद्रित करें। जिससे समाज की गौरवशाली इतिहास और परंपराएं आने वाली पीढ़ी तक पहुंचेगी और उन्हें सही राह दिखाएगी। पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने कहा कि समाज की एकजुटता ही देश और प्रदेश के विकास की राह तय करता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय ने पंडरिया विधानसभा क्षेत्र को कई सौगातें दी हैं, जिनमें प्रमुख रूप से पंडरिया को नालंदा परिसर बनने जा रहा है। सुतिया पाट बांध नहर विस्तारीकरण से इस क्षेत्र में सिंचाई सुविधा को बढ़ावा देगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जुनवानी नर्मदा धाम में की पंच कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ में पहुंचे

आशीर्वाद लिया और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि कामना की।

कवर्धा (समय दर्शन)। चैत्र नवरात्रि की चतुर्थी को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जिले के ग्राम जुनवानी नर्मदा धाम में आयोजित पंच कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ एवं श्री शिव महापुराण कथा में पहुंचे। उन्होंने श्रद्धा और भक्ति के साथ यज्ञ की परिक्रमा की तथा व्यासपीठ की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया और प्रदेशवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रद्धालुओं का आत्मीय अभिवादन किया और चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। श्री साय के साथ उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, पूर्व विधायक डॉ. सियाराम साहू, मोतीराम चंद्रवंशी, अशोक साहू, राज्य पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण के सदस्य भगत पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, श्रीमती पूर्णिमा मनीराम साहू, श्रीमती गंगा बाई लोकचंद साहू, डॉ वीरेन्द्र साहू, राजेन्द्र चंद्रवंशी, संतोष पटेल गोपाल साहू, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर, उमंग पांडेय, सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी पंच कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ की परिक्रमा कर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान आईजी बालाजी राव, कलेक्टर गोपाल वर्मा, पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जिला साहू संघ द्वारा आयोजित पंच कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ एवं शिव महापुराण कथा में शामिल होकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि इस पावन यज्ञ में शामिल होना उनके लिए बड़े सौभाग्य की बात है। उन्होने कहा कि साहू समाज एक विशाल, शिक्षित और समृद्ध समाज है, जो सदैव समाज को दिशा देने का कार्य करता रहा है। उन्होंने दानवीर भामाशाह का उल्लेख करते हुए कहा कि वे इसी समाज से थे, जिन्होंने अपने त्याग और दान से इतिहास में अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने आगे कहा कि रायगढ़ में पूज्य सत्यनारायण बाबा भी इसी समाज से हैं, जो पिछले 28 वर्षों से खुले आसमान के नीचे तपस्या में लीन हैं। ऐसे महान संत समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। समाज द्वारा सामुदायिक भवन निर्माण की मांग पर उन्होने आवश्यक राशि उपलब्ध कराने हेतु सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ संत-महात्माओं की तपोभूमि रही है। यह माता कौशल्या का मायका और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। भगवान श्रीराम ने वनवास का अधिकांश समय इसी धरती पर बिताया है, वहीं माता शबरी का पावन स्थान भी छत्तीसगढ़ में स्थित है। प्रदेश में सवा लाख शिवलिंग स्थापना का पावन कार्य भी किया जा रहा है, जो आध्यात्मिक चेतना को और सशक्त करेगा। राज्य सरकार द्वारा रामलला दर्शन योजना संचालित की जा रही है। छत्तीसगढ़ के लोग भगवान श्रीराम को अपना भाचा मानते हैं, इसलिए उन्हें अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन कराने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई है। अब तक 40 हजार से अधिक रामभक्त अयोध्या जाकर दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत प्रदेश के बुजुर्गों को देशभर के प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा कराई जा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बजट सत्र में सरकार ने कई महत्वपूर्ण विधेयकों के साथ छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक प्रमुख है। उन्होने कहा कि पिछले कुछ समय से समाज के कमजोर वर्गों को निशाना बनाकर प्रलोभन, दबाव और भ्रम फैलाकर धर्मांतरण कराने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे सामाजिक ताने-बाने पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि इस कानून के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है।

उल्लास महापरीक्षा में उमड़ा जनसैलाब, बंदियों और पुर्नवासितों ने भी थामी कलम

जगदलपुर। बस्तर जिले में शिक्षा और ज्ञान की नई अलख जगाने के उद्देश्य से आयोजित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को महापरीक्षा का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। जिला प्रशासन की इस अनूठी पहल ने पूरे जिले को साक्षरता के महापर्व में सराबोर कर दिया, जहाँ सुदूर वनांचलों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक शिक्षा का उत्साह देखने को मिला। कलेक्टर आकाश छिकारा और जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस परीक्षा में जिले भर के कुल 25,706 परीक्षार्थियों ने सम्मिलित होकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया। यह आयोजन महज एक परीक्षा नहीं, बल्कि उन बुजुर्गों और युवाओं के लिए स्वावलंबन की एक नई शुरुआत बनकर उभरा है, जो किन्हीं कारणों से अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी नहीं कर पाए थे।

इस महापरीक्षा की सबसे प्रेरक और हृदयस्पर्शी तस्वीर जगदलपुर के केंद्रीय कारागार और पुनर्वास केंद्रों से निकलकर सामने आई। जहाँ एक ओर जेल की सलाखों के पीछे रहने वाले 94 पुरुष और 47 महिला बंदियों ने साक्षरता की मुख्यधारा से जुड़कर अपनी नई पहचान बनाने की कोशिश की, वहीं दूसरी ओर आड़ावाल स्थित पुनर्वास केंद्र में 28 पुर्नवासितों ने भी हाथों में कलम थामकर विकास और शांति की दिशा में अपना पहला कदम बढ़ाया। इन नव-साक्षरों का उत्साह यह बताने के लिए काफी था कि बस्तर अब पूर्ण साक्षर होने की दिशा में तेजी से अग्रसर है और ज्ञान का उल्लास हर वर्ग के जीवन में रोशनी फैला रहा है।

उल्लास परीक्षा के लिए जिले भर में 812 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए थे, ताकि घने जंगलों और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले प्रतिभागियों को भी परीक्षा देने में कोई असुविधा न हो। मूल्यांकन की प्रक्रिया के दौरान प्रतिभागियों की पढ़ने, लिखने और बुनियादी अंक गणित की क्षमता को बारीकी से परखा गया। इस दौरान संयुक्त संचालक एचआर सोम ने केंद्रीय जेल जगदलपुर का सघन निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। उनके साथ जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल, नोडल अधिकारी राकेश खापर्डे और सहायक खंड शिक्षा अधिकारी राजेश गुप्ता भी उपस्थित रहे, जिन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

शिक्षा के इस उत्सव में सामुदायिक भागीदारी भी देखते ही बनी। विकासखंड बस्तर के ग्राम बालेंगा को मॉडल उल्लास केंद्र के रूप में सजाया गया था, जहाँ उल्लास सेल्फी जोन विशेष रूप से ग्रामीणों के आकर्षण का केंद्र रहा। यहाँ खंड शिक्षा अधिकारी भारती देवांगन और संकुल समन्वयकों की उपस्थिति में ग्रामीणों ने बड़े ही उत्साह के साथ परीक्षा दी। इसी तरह लोहंडीगुड़ा के चित्रकोट केंद्र में भी बड़ी संख्या में परीक्षार्थी उमड़े। कलेक्टर आकाश छिकारा ने इस सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जब जिले का हर नागरिक बुनियादी साक्षरता प्राप्त कर लेगा, तभी बस्तर सही मायने में सशक्त बनेगा। सफल उम्मीदवारों को जल्द ही बुनियादी साक्षरता का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, जो उनके भीतर एक नया आत्मविश्वास पैदा करेगा।

उम्मीद शिविर में 120 हितग्राहियों को मिला आधुनिक उपकरणों का सहारा

जगदलपुर। बस्तर जिले के आड़ावाल स्थित जयपुर फुट सेंटर में रविवार को दिव्यांगजनों के जीवन को सुगम बनाने के उद्देश्य से एक विशाल सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। मानवता की सेवा और सशक्तिकरण को समर्पित इस शिविर में सुबह से ही जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए दिव्यांगों और उनके परिजनों की भारी भीड़ देखी गई। इस आयोजन के दौरान कुल 120 हितग्राहियों का पंजीयन कर उनकी शारीरिक बाधाओं को दूर करने के लिए आधुनिक तकनीक से निर्मित कृत्रिम अंगों और सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। शिविर की सफलता इस बात से आंकी जा सकती है कि इसमें न केवल शारीरिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों को चलने-फिरने में सक्षम बनाया गया, बल्कि उनकी अन्य जरूरतों का भी पूरा ध्यान रखा गया। आयोजन में कुल 06 दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ और 05 को कृत्रिम पैर प्रदान किए गए, जिससे उनके जीवन में आत्मनिर्भरता की नई शुरुआत हुई। साथ ही गतिशीलता को बढ़ाने के लिए 19 मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल, 33 सामान्य ट्राईसाईकिल और 16 व्हीलचेयर का वितरण किया गया। गंभीर रूप से चलने में असमर्थ लोगों के लिए ये उपकरण किसी वरदान से कम नहीं थे। इस दौरान उपकरण वितरण के साथ-साथ शासन की योजनाओं से जोड़ने के लिए 17 हितग्राहियों का यूडीआईडी कार्ड भी बनाया गया, जो भविष्य में उन्हें विभिन्न सरकारी लाभ दिलाने में सहायक सिद्ध होगा। इसके अतिरिक्त सुनने की अक्षमता से जूझ रहे 14 लोगों को श्रवण यंत्र और सहारे के लिए 12 दिव्यांगों को बैसाखी प्रदान की गई। जयपुर फुट सेंटर के विशेषज्ञों द्वारा लगाए गए इस शिविर ने बस्तर के दूरस्थ अंचलों से आए दिव्यांगों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें एक सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बालोद, जिला-बालोद (छ0ग0)
-:: ईश्तहार ::-

ई कोर्ट नं.....
ग्राम-झलमला
तहसील-बालोद
जिला-बालोद (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती ललिता ठाकुर पति श्री दुर्योधन ठाकुर जाति हल्बा निवासी बालोद तहसील व जिला बालोद (छ0ग0) द्वारा ग्राम बालोद प0ह0नं0 06 स्थित भूमि खसरा नं. 1044/6 रकबा 0.020 हे. भूमि को गैर कृषि-आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु व्यपवर्तन बाबत् आवेदन, नक्शा खसरा एवं बी-1, ब्लू प्रिंट, ऋण पुस्तिका व रजिस्ट्री बैनामा की छाया प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु परिवर्तित किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो वह अपनी आपत्ति / दावा स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से उद्घोषणा दिनांक 25/03/26 के भीतर प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
किया गया।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से आज दिनांक 13/02/26 को जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बालोद, जिला-बालोद (छ0ग0)
-:: ईश्तहार ::-

ई कोर्ट नं.....
ग्राम-बघमरा
तहसील-बालोद
जिला-बालोद (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री धनसुख पटेल पिता श्री साम जी भाई पटेल जाति पाटीदार निवासी बालोद तहसील व जिला बालोद (छ0ग0) द्वारा ग्राम बघमरा पह0नं0 07 स्थित भूमि खसरा नं. 866/1, 866/2, 866/3, 867/1,891, 892 एवं 893 रकबा क्रमश: 0.0300, 0.0300, 0.0200, 0.0200, 0.0300, 0.0300 एवं 0.0300 हे. कुल ख.नं. 07 कुल रकबा 0.1650 हे भूमि को गैर कृषि औद्योगिक प्रयोजन (सीमेंट पोल, सीमेंट जाली एवं अन्य) हेतु व्यपवर्तन बाबत् आवेदन, नक्शा खसरा एवं बी-1. ब्लू प्रिंट, ऋण पुस्तिका व रजिस्ट्री बैनामा की छाया प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भूमि को औद्योगिक प्रयोजन (सीमेंट पोल, सीमेंट जाली एवं अन्य) हेतु परिवर्तित किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो वह अपनी आपत्ति / दावा स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से उद्घोषणा दिनांक 05/03/26 के भीतर प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
किया गया।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से आज दिनांक 13/02/6 को जारी

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)

संक्षिप्त-खबर

राष्ट्रीय सेवा योजना, सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

पाटन। उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, सांकरा-पाटन के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम - जामगांव (एम) तहसील-पाटन, जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़) मे दिनांक 16 से 22 मार्च 2026 तक आयोजित किया गया, जिसके समापन समारोह मे मुख्य अतिथि श्रीमती तुलसी सिन्हा ,सरपंच महोदया ग्राम-पंचायत -जामगाँव (एम), विशिष्ट अतिथि श्री यशवंत के राम कुलसचिव महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय दुर्ग, डॉ संजय शर्मा अधिष्ठाता छात्र कल्याण इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर, डॉ.सुबुही निषाद कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर,अध्यक्षता डॉ अमित दीक्षित अधिष्ठाता उद्यानिकी महाविद्यालय सांकरा एवं डॉ.गागेन्द्र सिंह राजपूत राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन मे 50 स्वयंसेवक सात दिवसीय विशेष शिविर मे ग्रामवासियों को स्वच्छता , स्वास्थ्य, जल संरक्षण, नशा मुक्ति अभियान, यातायात नियमों की जानकारी , पौधारोपण,योगा, बेटी बचाओ- बेटी बढ़ाओ, सायबर क्राइम, सेनेटरी पैड वितरण, कुपोषण मुक्ति गाँव , केंद्र एवं राज्य की महत्वकांक्षी योजनाओं की जानकारी एवं रक्तदान कर युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक किये. स्वयंसेवकों ने महिला स्व सहायता समूहों एवं ग्रामीणों को केचप बनाने की विधि एवं उससे रोजगार सृजन कर अपने आथिर्क स्थिति को मजबूत करने की ट्रेनिंग दिये. साथ ही जैम, जेली, गुलकन्द, मशरूम उत्पादन के बारे मे प्रशिक्षण दिये. समापन समारोह मे उपस्थित समस्त ग्रामवासियों को फलदार पौधों का वितरण किया गया.

सीता राम साहू ने बेटी के सगाई में वर पक्ष को पौधा भेंट कर तथा जल संरक्षण का दिया संदेश

बालोद। तहसील साहू संघ दल्ली राजहरा के रेलवे कॉलोनी परिक्षेत्र के सीताराम साहू के द्वारा अपनी बेटी मिनी साहू की सगाई को यादगार बनाने के लिए उन्होंने एक नई परमपरा की शुरुआत की जो ना की साहू समाज बल्कि हर समाज के लिए प्रेरणादाई है। आज सीता राम साहू वार्ड क्रमांक 24 दल्ली राजहरा के बेटी मिनी साहू का पीकरीपार (अरमरीकला) के बहुर सिंह साहू के बेटा खिलावन साहू से साहू सदन में सगाई का कार्यक्रम संपन्न हुआ है ।जहाँ बेटी के सगाई के इस मौके पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए वर पक्ष को पौधा भेंट किया । साथ ही नगर के प्रसिद्ध ग्रीन कमांडो वीरेंद्र सिंह के द्वारा जल संरक्षण के महत्व को बताते हुए सगाई के उपरांत वर एवं वधू को जल संरक्षण के प्रारूप मटका देकर जल बचाने की शपथ दिलाई गई । वीरेंद्र साहू ने कहा कि जल हमें प्रकृति का दिया हुआ ऐसा उपहार है जिसे बनाया नहीं जा सकता । इसे बचाए जा सकता है । जल संरक्षण के महत्व को ध्यान में रखें तथा कोशिश करें कि जितनी ज्यादा इसका बचत कर सकें उतना भविष्य के लिए बेहतरीन होगा । पानी की स्थिति आज आप इसी बात से समझ सकते हैं कि आज हमें बोतलों में खरीदना पड़ रहा है । जिसकी कभी किसी ने कल्पना ही नहीं की थी । आने वाले कुछ सालो में स्थिति और भी भयानक हो सकती है । इसके लिए विकल्प एक ही है पानी का उपयोग आवश्यकता अनुसार ही करें पानी की ना ही बर्बादी करें और ना ही इसे किसी को बर्बाद करने दे जल संरक्षण को महत्व दें।

ऑनलाइन सट्टा रैकेट ध्वस्त, 7 धराए

दुर्ग। मोबाइल और सोशल मीडिया के जरिए चल रहा करोड़ों का ऑनलाइन सट्टा कारोबार आखिरकार पुलिस के रडार में आ ही गया। दुर्ग के जामुल में किराए के मकान से संचालित इस हाईटेक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने 7 आरोपियों को रंगे हाथों दबोच लिया—हर दिन लाखों का खेल, और पूरा नेटवर्क डिजिटल पर्दे के पीछे छिपा था। दुर्ग पुलिस ने जामुल थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संगठित ऑनलाइन सट्टा गिरोह का पर्दाफाश किया है। सुंदर विहार कॉलोनी फेस-2, नालंदा स्कूल के पीछे स्थित एक किराए के मकान में यह अवैध कारोबार चल रहा था। पुख्ता सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने दबिश दी और मौके पर ही आरोपियों को सट्टा संचालित करते पकड़ लिया।

चिट फंड कंपनी के ठगी पीड़ित जमा कर्ता परिवार ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

सक्ती। /समय दर्शन // ठगी पीड़ित जमा करता परिवार ने जांजगीर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े को मसानिया कला में ज्ञापन सौंप कर उचित करवाई करने का मांग किया है। ठगी पीड़ित जमा करता परिवार के द्वारा सांसद प्रतिनिधि को सौंपे ज्ञापन में बताया कि मोदी की गारंटी में अपने घोषणा पत्र में चिट फंड कंपनियों के रकम वापसी के लिए वादा किया गया था । देश में डबल इंजन की सरकार होने के बावजूद भी अभी तक चिट फंड के पीड़ितों के लिए कोई सकारात्मक पहल नहीं होने के कारण

समस्त चिट फंड कंपनियों में डूबी हुई ग्राहकों को सरकार के प्रति असंतोष है। उन्होंने आगे बताया कि सरकार के द्वारा रकम को वापसी हेतु अनियमित जमा योजना पाबंदी अधिनियम 2019 के तहत रकम की वापसी सुनिश्चित करना चाहिए। अनियमित जमा योजना पाबंदी अधिनियम 2019 तत्काल लागू करें। चित फंड कंपनियों का पैसा वापस करें । अपनी घोषणा पत्र का वादा पूरा करें। वादा पूरा नहीं कर सकते तो अपने पद से इस्तीफा दे दें। सरकार द्वारा पारित कानून अनियमित जमा योजना पाबंदी अधिनियम 2019 का क्रियान्वयन हेतु ठगी पीड़ित जमा करता परिवारों की चित फंड कंपनियों में डूबी हुई राशि को वापस करने हेतु पैदल मार्च निकाला गया। और जांजगीर सांसद के प्रतिनिधि को मसानिया कला सक्ती में ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग किए हैं।

इस अवसर पर शिवनारायण कर्ष प्रदेश संरक्षक, प्रदेश अध्यक्ष पुरंदर साहू, शिवशंकर निषाद जिलाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष शिवराम कौशिक, रघुबर प्रसाद कर्ष उपाध्यक्ष बम्हनीडीह ब्लॉक, दशरथ साहू अध्यक्ष नवागढ़ ब्लॉक, जिला सचिव सावित्री साहू, दिलीप कुमार साहू, भरतलाल सूर्यवंशी, रोहित बरेठ, प्रहलाद कर्ष आदि के अलावा भारी संख्या में चिटफंड कंपनी के ठगी पीड़ित परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

NIT रायपुर के शोधार्थी लकेश्वर डडसेना को मिला `छत्तीसगढ़ यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड 2026

पिथौरा(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के होनहार युवाओं ने एक बार फिर शोध और नवाचार के क्षेत्र में राज्य का मान बढ़ाया है। महासमुंद जिले के पिथौरा निवासी और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT) रायपुर के शोधार्थी लकेश्वर डडसेना को उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए प्रतिष्ठित 'सीजी यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड 2026' से नवाजा गया है।

IIIT नया रायपुर में हुआ गरिमामय आयोजन- छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (ष्ष्टह्रस्ञ्ज) द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस राज्य स्तरीय युवा वैज्ञानिक सम्मेलन का समापन 18 मार्च को ढ्ढढ्ढढ्ढञ्ज नया रायपुर में हुआ। इस समारोह में प्रदेशभर के प्रतिभावान शोधकर्ताओं ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए थे, जिनमें लकेश्वर के शोध को नवाचार और गुणवत्ता की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ चुना गया।

कैबिनेट मंत्री ने किया सम्मानित- समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के उच्च तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने लकेश्वर डडसेना को 21,000 की नकद राशि और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। मंत्री महोदय ने लकेश्वर के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

3 पेटेंट और 5 शोध पत्र प्रकाशित- लकेश्वर डडसेना, जो कि लखन लाल डडसेना (पिथौरा) के सुपुत्र हैं, अनुसंधान के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय हैं। उनकी उपलब्धि का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक उनके नाम 3 पेटेंट दर्ज हो चुके हैं और उनके 5 शोध पत्र (Research Papers) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हो चुके हैं। उनकी यह सफलता ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना है। लकेश्वर ने बताया कि,यह पुरस्कार केवल मेरा नहीं, बल्कि मेरे प्रथम गुरु मेरे माता पिता ,गुरुजन,मार्गदर्शकों और संस्थान के सहयोग का परिणाम है। मेरा लक्ष्य अपने शोध के माध्यम से समाज और तकनीक के बीच की दूरी को कम करना है।

लकेश्वर डडसेना, युवा वैज्ञानिक- इनकी इस उपलब्धि के लिए सभी मित्रगण गीतेश पण्डा,मितेश साहू,ओम निषाद,आदित्यराज पण्डा,किशन भोई,गोविंद डड़सेना,सोनू निषाद,डॉ.प्रेमलाल साहू,वीरू प्रधान,दीपक सिन्हा,रिंकू सोनी,दिनेश सिन्हा, अविनाश पटेल, हुल्लाष निषाद,संजय निषाद, मनीष यादव,युगेश साहू,गोलू धीवर,देवा पटेल, दीनु नायक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने शुभकामनाएं दी है।

पूर्व विधायक देवेन्द्र बहादुर सिंह की क्षेत्र में सक्रियता बढ़ी

बसना (समय दर्शन)। ग्राम गनेकेरा में स्व. बैलालसिंह के दशगात्र कार्यक्रम के अवसर पर फुलझर स्टेट के राजा एवं पूर्व विधायक राजा देवेन्द्र बहादुर सिंह शामिल हुए। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से भेंट कर गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं, तथा इस दुखद घड़ी में उन्हें ढांढस बंधाया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने भी दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। बुढादेव से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोकाकुल परिवार को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति दें।

श्री सिंह क्षेत्र के गनेकेरा,बिटांगीपाली, बसना के अनेक कार्यकर्ताओं के साथ वे विविध कार्यक्रमो में शामिल हुए।

इस दौरान कार्यक्रम में मनजीत सिंह सलुजा, तनवीर सईद , इश्तियाक खेरानी इश्तु ,पांडव नाग, ईश्वर सिदार, खालिद दानी, योगेश साव ,हरिहरण नाग ,अरुण जगत सहित ग्रामवासी मौजुद थे।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने ली साप्ताहिक समय सीमा की बैठक

ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रो में ग्रीष्मकाल में न हो पेयजल की समस्या - कलेक्टर

चावल उत्सव की तैयारी एवं उठाव, भंडारण व वितरण के संबंध में दिए आवश्यक निर्देश

कलेक्टर ने पीएम आवास, मनरेगा, कृषि व मत्स्य योजनाओं को गति देने के निर्देश

जांजगीर-चांपा //समय दर्शन / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए शासकीय एवं विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभाग अंतर्गत समय-सीमा के लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ निराकरण करने और आमजन को योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने आगामी चावल उत्सव की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि चावल के उठाव, सुरक्षित भंडारण तथा सुचारू वितरण की समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिवहन, भंडारण केंद्रों की स्थिति, गुणवत्ता नियंत्रण एवं वितरण प्रणाली में पारदर्शिता के साथ शत प्रतिशत हितग्राहियों को वितरण करने कहा। उन्होंने कहा कि सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने ग्रीष्मकाल के मद्देनजर पेयजल व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगरीय निकायों एवं पंचायतों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जल स्रोतों की नियमित मॉनिटरिंग, खराब हैंडपंपों का मरम्मत तथा जल गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए।

कलेक्टर ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महुदा ब में एक शिक्षक के लंबे समय से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थिति पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी को शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा। कलेक्टर ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानों एवं मध्याह्न भोजन योजना के प्रभावी संचालन की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम को नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीडीएस दुकानों में निर्धारित मात्रा एवं गुणवत्ता के अनुसार खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। मध्याह्न भोजन में गुणवत्ता, स्वच्छता एवं पोषण मानकों का विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश दिए गए।

निगम का सख्त एक्शन: सड़कों से मवेशियों की धरपकड़ तेज, रात में हादसों पर लगेगी रोक

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्रांतर्गत शहर की सड़कों को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर अतिक्रमण विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। निगम की टीम द्वारा मुख्य मार्गों, चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर घूम रहे मवेशियों को पकड़ने का कार्य नियमित रूप से दो शिफ्टों में संचालित किया जा रहा है।

निगम द्वारा इस अभियान के तहत काऊ कैचर वाहन की सहायता से मवेशियों को सुरक्षित रूप से पकड़ा जा रहा है, जिससे यातायात बाधित न हो और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। विशेष रूप से रात्रि के समय होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से पकड़े गए मवेशियों को रेडियम पट्टी पहनाई जा रही है, ताकि अंधेरे में भी वे स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकें।

इसके अतिरिक्त, नागरिकों से प्राप्त शिकायतों पर भी निगम द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है। सूचना मिलते ही संबंधित क्षेत्र में टीम भेजकर मवेशियों को पकड़कर शहर क्षेत्र के पुलगांव स्थित गोठान में सुरक्षित छोड़ा जा रहा है। इस अभियान से शहर में आवारा मवेशियों की समस्या पर नियंत्रण पाने के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आने की उम्मीद है।

नगर निगम द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने मवेशियों को खुले में न छोड़ें तथा शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने में निगम का सहयोग करें।

नवरात्रि पर विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने की माँ समलेश्वरी और श्री राम-जानकी की पूजा,बोले-माँ ही सृष्टि का आधार और शक्ति का पुंज हैं

की क्षेत्र के खुशहाली की कामना

बसना(समय दर्शन)। चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर संपूर्ण देश में जहाँ भक्ति की बयार बह रही है, वहीं छत्तीसगढ़ की पावन धरा बसना में भी श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। इस पावन अवसर पर बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने पूर्ण विधि-विधान और पौराणिक मर्यादाओं के साथ शक्ति स्वरूपा माँ दुर्गा की आराधना की। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने क्षेत्र के प्रमुख आस्था केंद्रों माता दरबार, प्राचीन समलेश्वरी माता मंदिर और मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जानकी मंदिर पहुँचकर माथा टेका। इस दौरान मंदिरों में गूंजते मंत्रों और शंखध्वनि ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। डॉ. अग्रवाल ने देवी माँ की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर आरती उतारी और समस्त प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, शांति तथा समृद्धि की मंगल कामना की।

मंदिर परिसर में प्रज्वलित अखंड ज्योति कलशों के दर्शन करते हुए विधायक ने उसे साक्षात ईश्वरीय प्रकाश का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि ये प्रज्वलित ज्योतियां हमारे भीतर के अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाकर ज्ञान का मार्ग प्रशस्त करती हैं।

पूजा-अर्चना के पश्चात विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने आध्यात्मिक और पौराणिक परिप्रेक्ष्य में नवरात्रि के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि माँ दुर्गा ही इस चराचर जगत की शक्ति हैं, वही भक्ति हैं और वही साधना का चरम लक्ष्य हैं। जिस प्रकार आदि शक्ति ने महिषासुर का संहार कर धर्म की स्थापना की थी, उसी प्रकार यह पर्व हमें अपने भीतर की बुराइयों पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने अपनी बात को विस्तार देते हुए आगे कहा कि माँ के नौ रूप चेतना के विभिन्न स्तरों को दर्शाते हैं। आज समाज को संगठित होने और नैतिक मूल्यों को संजोने की आवश्यकता है। माँ जगदंबा की कृपा से बसना क्षेत्र का प्रत्येक परिवार खुशहाल रहे और हमारा क्षेत्र प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर रहे, यही मेरी माँ के चरणों में एकमात्र प्रार्थना है। विधायक डॉ. अग्रवाल ने इस पर्व को नारी शक्ति के सम्मान का पर्व बताते हुए कहा कि जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है। उनके इस भक्तिमय प्रवास से न केवल कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया, बल्कि आम जनता ने भी अपने जनप्रतिनिधि के इस आध्यात्मिक रूप की सराहना की। इस शुभ अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश अग्रवाल,भाजयुमो जिला महामंत्री कामेश बंजारा,भाजयुमो बसना मंडल अध्यक्ष आकाश सिन्हा,सोहन पटेल सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर मकान नं.-107, वार्ड नं. 26, मदर टेरेसा वार्ड, जगदलपुर, जिला-बस्तर (छ.ग.)- 494001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, मो. 9827104452, दुर्ग कार्यालय- फोन नं.-0788-4051213, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CTHIN/26/A1375